



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 255]

नई दिल्ली, सोमवार, जुलाई 30, 2018/श्रावण 8, 1940

No. 255]

NEW DELHI, MONDAY, JULY 30, 2018/SHRAVANA 8, 1940

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(व्यापार उपचार महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 जुलाई, 2018

अंतिम जांच परिणाम

मामला सं. एसी - 02/2017

विषय: चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "ग्लास फाइबर" के आयातों पर 01 सितंबर, 2016 की अधिसूचना संख्या 48/2016-सीमा शुल्क द्वारा लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की तथाकथित प्रवंचना के संबंध में प्रवंचनारोधी जांच।

फा. सं. 7/25/2017-डीजीएडी.—1995 में यथासंशोधित सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम कहा गया है) और उसकी समय-समय पर यथासंशोधित सीमा प्रशुल्क (पाटित वस्तुओं की पहचान, आकलन और पाटित वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क का संग्रहण तथा क्षति के निर्धारण के लिए) नियमावली, 1995 (जिसे आगे पाटनरोधी नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे यहां आगे प्राधिकारी कहा गया है) ने चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित कुछ ग्लास फाइबर और उसकी वस्तुओं के आयातों पर 08 जनवरी, 2010 की जांच की शुरुआत संबंधी अधिसूचना द्वारा पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के लिए पाटनरोधी जांच शुरू की। प्राधिकारी ने 02 जून, 2010 को प्राथमिक जांच परिणाम जारी किए और 14 जुलाई, 2010 की सीमा शुल्क अधिसूचनाओं द्वारा अंतिम शुल्क लगाए गए थे। प्राधिकारी ने 6 जनवरी, 2011 को अंतिम जांच परिणाम जारी किए और 04 मार्च, 2011 को निश्चयात्मक शुल्क लगाए गए। प्राधिकारी ने इसके बाद 19 सितंबर, 2013 को संबद्ध देश से संबद्ध आयातों के आयातों के विरुद्ध मध्यावधि समीक्षा जांच शुरू की और प्राधिकारी के 10 फरवरी, 2014 के जांच परिणाम में निहित सिफारिश के आधार पर 0.3-2.5 माइक्रोन की रेंज में फाइबर ब्यास वाले माइक्रो ग्लास फाइबर को 09 मई, 2014 की सीमा शुल्क अधिसूचना द्वारा सिफारिश किए गए पाटनरोधी शुल्क की परिधि और क्षेत्र से अलग किया गया था। जबकि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने एक निर्णायक समीक्षा जांच की और 06 जुलाई, 2016 की अधिसूचना संख्या 15/10/2015-डीजीएडी द्वारा अंतिम जांच परिणाम जारी किए जिसमें चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित ग्लास फाइबर के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क जारी रखने की सिफारिश की गई और वित्त मंत्रालय ने 01 सितंबर, 2016 की सीमा शुल्क अधिसूचना संख्या 48/2016-सीमा शुल्क (एडीडी) द्वारा चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित ग्लास फाइबर के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क बढ़ाया।

1. और जबकि पाटनरोधी नियमावली के नियम 25 के साथ पठित सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1975 की धारा 9क के संदर्भ में भारत में एक प्रमुख ग्लास फाइबर निर्माता मैसर्स ओबन्स – कॉर्निंग (इंडिया) प्रा. लि. (जिसे यहां आगे याचिकाकर्ता अथवा घरेलू उद्योग कहा गया है) ने यह आरोप लगाते हुए प्राधिकारी के समक्ष एक याचिका दायर की कि ग्लास फाइबर की एक किस्म चोपड स्ट्रैंड मैट्स अथवा सीएसएम, जो 01 सितंबर, 2016 की सीमा शुल्क अधिसूचना संख्या 48/2016-सीमा शुल्क (एडीडी) द्वारा पाटनरोधी शुल्क के अध्यधीन उत्पाद है, थाइलैंड से आयातित किया जा रहा है और ऐसे आयातों पर चीन से पूर्व में आयातित आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की प्रवंचना होती है। याचिकाकर्ता ने यह तर्क दिया कि एशिया कम्पोजिट मैटेरियल्स (थाइलैंड) कं. लि. चीन से आयातित ग्लास सीएसएम (असेंबल किये हुए ग्लास रॉविंग से अथवा एआर से, जो ग्लास फाइबर का एक रूप है) का उत्पादन करता है और फिर चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित ग्लास फाइबर के आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की प्रवंचना करने के लिए भारत को उसका निर्यात करता है।
2. और जबकि नियम 26(1) के तहत याचिकाकर्ता द्वारा दायर विधिवत पूर्ण आवेदन पत्र के मद्देनजर प्राधिकारी ने लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की तथाकथित प्रवंचना की मौजूदगी और प्रभाव निर्धारित करने के लिए तथा थाइलैंड से सीएसएम के आयातों के लिए ग्लास फाइबर के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क बढ़ाए जाने की सिफारिश पर विचार करने के लिए 12 फरवरी, 2018 की अधिसूचना संख्या 7/25/2017-डीजीएडी द्वारा जांच शुरू की।

क. प्रक्रिया

3. जांच के संबंध में निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है:
 - i. प्राधिकारी ने प्रवंचनारोधी जांच शुरू करते हुए 12 फरवरी, 2018 की अधिसूचना संख्या 7/25/2017-डीजीएडी द्वारा अधिसूचना जारी की जो भारत के राजपत्र में प्रकाशित की गई थी।
 - ii. प्राधिकारी ने भारत में चीन जन. गण. और थाइलैंड के दूतावासों, थाइलैंड के विचाराधीन उत्पाद के ज्ञात निर्यातकों तथा भारत में विचाराधीन उत्पाद के ज्ञात आयातकों को याचिका में उपलब्ध सूचना के अनुसार जांच की शुरुआत की अधिसूचना की प्रति भेजी।
 - iii. प्राधिकारी ने थाइलैंड और चीन के विचाराधीन उत्पाद के निम्नलिखित निर्यातकों/उत्पादकों को प्रश्नावलियां भेजीं और उनसे अनुरोध किया कि वे निर्धारित प्रश्नावली में अपने उत्तर दायर करें तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर लिखित में अपने ज्ञात विचार दें। निर्यातकों को भेजे गए पत्र और प्रश्नावलियों की प्रतियां ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों की सूची के साथ चीन और थाइलैंड के दूतावासों को भी भेजी गई जिसमें उनसे अनुरोध किया गया कि वे चीन और थाइलैंड के निर्यातकों/उत्पादकों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर प्राधिकारी को उत्तर देने की सलाह दें।
 - क. एशिया कम्पोजिट मैटेरियल कं. लि., थाइलैंड
 - ख. सिचुआन वीबो न्यू मैटेरियल, चीन
 - iv. संबद्ध जांच की शुरुआत के उत्तर में चीन जन. गण. के किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने प्रश्नावली के उत्तर दायर कर उत्तर नहीं दिया है। थाइलैंड के निम्नलिखित उत्पादक/निर्यातक ने थाइलैंड में सीएसएम के मात्र उत्पादक एवं निर्यातक के रूप में स्वयं का दावा करते हुए प्रश्नावली का उत्तर दायर किया।
 - क. एशिया कम्पोजिट मैटेरियल कं. लि., थाइलैंड (जिसे यहां आगे एसीएम के रूप में भी कहा गया है)
 - v. याचिकाकर्ता द्वारा दायर आवेदन पत्र के अगोपनीय रुपांतर की प्रति चीन और थाइलैंड में उत्पादक/निर्यातकों, और चीन और थाइलैंड के दूतावासों को भेजी गई थी। आवेदन पत्र के अगोपनीय रुपांतर की एक प्रति हितबद्ध पक्षकारों को उनके अनुरोध करने पर उपर्युक्त नियम 6(3) के अनुसार सार्वजनिक फाइल के माध्यम से उपलब्ध कराई गई थी।
 - vi. नियमावली के अनुसार आवश्यक सूचना मंगाने के लिए भारत में संबद्ध सामानों के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं को प्रश्नावलियां भेजी गई थीं:
 - क. केमरोक इंडस्ट्रीज एंड एक्सपोर्ट्स लि.
 - ख. पेनटेयर वाटर इंडिया पी. लि.
 - ग. अमियनटिट फाइबरग्लास इंडिया लिमिटेड
 - घ. सुंदरम ब्रेक लाइनिंग्स लि.
 - ङ. ग्रेफाइट इंडिया लिमिटेड
 - च. इंदौर कम्पोजिट प्रा. लि.
 - छ. अक्ष ऑप्टिफाइबर लिमिटेड
 - ज. बालाजी फाइबर रिइंफोर्समेंट प्रा. लि.
 - झ. ओ. के. ग्लास फाइबर लिमिटेड
 - ञ. जुशी (इंडिया) एफआरपी एसेसरीज प्रा. लि.
 - ट. स्काई फाइबरग्लास सॉल्यूशन्स प्रा. लि.
 - ठ. आरवी कम्पोजिट्स प्रा. लि.

- vii. संबद्ध जांच की शुरुआत के उत्तर में विचाराधीन उत्पाद के किसी भी आयातक ने जांच की शुरुआत के संबंध में उत्तर नहीं दिया अथवा प्रश्नावली के उत्तर दायर नहीं किए।
- viii. वर्तमान जांच के लिए जांच की अवधि (पीओआई) अप्रैल, 2016 – मार्च, 2017 है। क्षति जांच अवधि में अप्रैल, 2013 – मार्च, 2014, अप्रैल, 2014 – मार्च, 2015, अप्रैल, 2015 – मार्च, 2016 और जांच की अवधि शामिल होंगी।
- ix. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(6) के अनुसार, प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पक्षकारों को 24 मई, 2018 को हुई सार्वजनिक सुनवाई में मौखिक रूप से अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया। इस सार्वजनिक सुनवाई में घरेलू उद्योग और मैसर्स एशिया कम्पोजिट मैटेरियल कं. लि. के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। जिन पक्षकारों ने मौखिक सुनवाई में अपने विचार प्रस्तुत किए, उनसे अनुरोध किया गया कि वे लिखित में अपने अनुरोध दायर करें और उसके बाद मौखिक रूप में व्यक्त विचारों का प्रत्युत्तर दायर करें।
- x. जिन निर्यातकों, आयातकों, अन्य घरेलू उत्पादकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया और न ही इस जांच से संबंधित सूचना दी, उन्हें असहयोगी माना गया है।
- xi. एशिया कम्पोजिट मैटेरियल कं. लि., थाइलैंड को एक अतिरिक्त प्रश्नावली जारी की गई जिसमें अतिरिक्त सूचना मांगी गई थी और/अथवा 25 अप्रैल, 2018 को पहले ही दायर सूचना के संबंध में स्पष्टीकरण मांगा गया था। उत्तरदाता निर्यातक ने अतिरिक्त प्रश्नावली का उत्तर दायर किया है जिस पर वर्तमान दस्तावेज में विचार किया गया।
- xii. वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) से जांच की अवधि सहित पिछले तीन वर्षों के लिए संबद्ध सामानों के आयातों के व्यौरे देने के लिए अनुरोध किया गया था जो प्राधिकारी को प्राप्त हो गए थे और वर्तमान जांच में जिन पर विश्वास किया गया।
- xiii. इस जांच के दौरान हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों पर जहां भी वे संगत पाए गए हैं, इस जांच परिणाम में विचार किया गया है।
- xiv. याचिकाकर्ताओं द्वारा उनके परिसरों में प्रस्तुत सूचना और आंकड़ों के संबंध में आवश्यक समझी गई सीमा तक सत्यापन किया गया था। प्राधिकारी ने उत्तरदाता निर्यातक द्वारा उनके परिसर में दिए गए आंकड़ों का स्थल सत्यापन भी किया।
- xv. गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दी गई सूचना की जांच उनके गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में की गई। संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने, जहां भी आवश्यक हुआ, गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और इस प्रकार की सूचना को गोपनीय माना गया है और उसे अन्य हितबद्ध पक्षकारों को नहीं बताया गया है। जहां भी संभव हुआ, गोपनीय आधार पर सूचना देने वाले पक्षकारों को निर्देश दिया गया कि वे गोपनीय आधार पर दी गई सूचना का पर्याप्त अगोपनीय भाग उपलब्ध करायें।
- xvi. जहां कहीं भी किसी हितबद्ध पक्षकार ने प्राधिकारी को वर्तमान जांच के दौरान उत्तर नहीं दिया है अथवा अन्यथा आवश्यक सूचना उपलब्ध नहीं कराई है या जांच में काफी बाधा डाली है, वहां प्राधिकारी ने उन पक्षकारों को असहयोगी माना है और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर जांच परिणाम रिकार्ड किए।
- xvii. उपर्युक्त नियमावली के नियम 16 के अनुसार प्राधिकारी द्वारा संबंधित हितबद्ध पक्षकारों को 13 जुलाई, 2018 को अनिवार्य तथ्य प्रकट किए गए थे। टिप्पणियां 23 जुलाई, 2018 तक देने का अनुरोध किया गया था। प्राधिकारी द्वारा संगत मानी गई सीमा तक प्रकटन विवरण के संबंध में प्राप्त टिप्पणियों पर इस अंतिम जांच परिणाम में विचार किया गया है।
- xviii. *** का अभिप्राय गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकार/किसी अन्य पक्षकार द्वारा दी गई सूचना से है और प्राधिकारी द्वारा उसे गोपनीय माना गया है।

ख. जांचाधीन उत्पाद

ख.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

- 4. इस संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा कोई अनुरोध नहीं किये गये हैं।

ख.2 याचिकाकर्ता के विचार

- 5. घरेलू उद्योग ने विचाराधीन उत्पाद के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:

- i. उस मामले में जांचाधीन उत्पाद वही है जो मूल विचाराधीन उत्पाद है।
- ii. शुल्क की प्रवचना एशिया कम्पोजिट मैटेरियल्स (थाइलैंड) कं. लि., थाइलैंड द्वारा उत्पादित और निर्यातित चोण्ड स्ट्रैंड मैट्स के आयातों के माध्यम से और उससे लगाए गए पाटनरोधी शुल्क के सुधारात्मक प्रभावों की उपेक्षा कर की जा रही है।
- iii. प्रवचना वाली वस्तु का उत्पाद "एशिया कम्पोजिट मैटेरियल्स (थाइलैंड) कं., थाइलैंड द्वारा उत्पादित चोण्ड स्ट्रैंड मैट्स (सीएसएम)" है।

- iv. संबद्ध सामान उप-शीर्ष 7019 के तहत सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1975 के अध्याय 70 के अंतर्गत वर्गीकृत है। सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और जांच के क्षेत्र पर किसी भी तरह बाध्यकारी नहीं है।

ख.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

6. भारत में पाटनरोधी शुल्क लगने वाले विचाराधीन उत्पाद में निम्नलिखित ग्लास फाइबर शामिल हैं:
 - क. *असेंबल्ड ग्लास रोविंग्स (एआर),*
 - ख. *डायरेक्ट रोविंग्स (डीआर),*
 - ग. *ग्लास चोपड स्ट्रैंड्स (सीएस),*
 - घ. *ग्लास चोपड स्ट्रैंड्स मैट्स (सीएसएम)*

विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से विशेष रूप से अलग किए गए ग्लास बूल, फाइबर ग्लास बूल, बूल रूप में फाइबर ग्लास इंसुलेशन, ग्लास यार्ड, ग्लास वूवन फैब्रिक, ग्लास फाइबर फैब्रिक, ग्लास ओवन रोविंग्स और थर्मोप्लास्टिक अनुप्रयोगों के लिए बनाए गए चोपड स्ट्रैंड, बैट्री सेपरेटर में प्रयुक्त माइक्रो ग्लास फाइबर, सरफेस मेट/सरफेस वेल्ड/टिशू हैं।
7. जिस जांचाधीन उत्पाद पर प्रवंचना की गई है, वह एशिया कम्पोजिट मैटेरियल्स (थाइलैंड) कं. लि., थाइलैंड द्वारा उत्पादित चोपड स्ट्रैंड मैट्स (सीएसएम) ग्लास है।
8. सीएसएम के लिए उत्पादन प्रक्रिया के संबंध में यह नोट किया जाता है कि ग्लास फाइबर का उत्पादन पहले असेंबल्ड ग्लास रोविंग (एआर) अथवा डायरेक्ट ग्लास रोविंग (डीआर) के रूप में किया जाता है। एआर को सीएसएम का उत्पादन करने के लिए प्रसंस्कृत किया जाता है। एआर के उत्पादन की उत्पादन प्रक्रिया नीचे वर्गीकृत है।
9. डीआर का उत्पादन करने की प्रक्रिया निम्नलिखित है:
 - क) **मेल्टिंग:** कनवेयर मेल्टिंग के लिए कच्ची सामग्री के मिश्रण को उच्च तापमान वाले प्राकृतिक गैस फायर भट्टी में भेजता है। पहला भाग कच्ची सामग्री बैच को प्राप्त करता है जहां मेल्टिंग होती है और एकरूपता बढ़ती है जिसमें बुलबुलों को समाप्त करना शामिल है। अंतिम भाग अगला हिस्सा है जिसके नीचे थाइलैंड से सीएसएम के 4-7 बुशिंग स्थित होती हैं जिनका अगले स्तर पर मोल्टन ग्लास को फाइबर में लेने के लिए प्रयोग किया जाता है। बड़ी भट्टियों में कई चैनल होते हैं जिसमें प्रत्येक का अपना अगला हिस्सा होता है।
 - ख) **फाइबरीकरण:** ग्लास फाइबर के निर्माण अथवा फाइबरीकरण में निष्कासन और क्षीणता का संयोजन होता है। निष्कासन में मोल्टन ग्लास 200 से 8000 तक बहुत ही महीन छिद्रों वाले क्षरण – रोधी प्लेटिनम/रोडियम मिश्रण से बने बुशिंग के माध्यम से फोरअर्थ से बाहर जाता है। बुशिंग प्लेटों को इलैक्ट्रॉनिक रूप से गर्म किया जाता है और उनका तापमान स्थिर ग्लास स्नेहीलता बनाए रखने के लिए स्पष्ट रूप से नियंत्रित किया जाता है। वाटरजेट फिलामेंट को ठंडा करते हैं और उनकी नोजिल की डिजाइन 120 डिग्री सेल्सियस / 2200 डिग्री सेल्सियस फाइबरीकरण के लिए महत्वपूर्ण होती है। बुशिंग फाइबर उत्पादन अथवा ग्लास के प्रति पाउंड फाइबर के यार्ड को भी नियंत्रित करती है।
 - ग) **कोटिंग:** अंतिम चरण में रासायनिक लेपन अथवा आकार लगाया जाता है।
 - घ) **डायरेक्ट रोविंग वाइंडिंग्स:** अलग-अलग फाइबरों को बुशिंग से सीधे ही खींचा जाता है और फिर ओवन से नमी समाप्त करने के बाद लदान के लिए तैयार रोविंग पैकेज में बांधा जाता है।
 - ङ) **असेंबल्ड रोविंग वाइंडिंग्स:** फाइबर ग्लास रोविंग स्ट्रैंडों के बंडल को एक बड़े स्टैंड में एकत्रित कर तैयार किया जाता है जिसे एक स्थिर बेलनाकार पैकेज में बांधा जाता है। यह मल्टी एंड रोविंग प्रक्रिया कहलाती है। यह प्रक्रिया केक को क्रील में बनाकर सुखाए गए कई ओवन में रखकर शुरू होती है। सिरों को फिर एक साथ तने हुए रूप में एकत्रित किया जाता है और फिर प्रिसिजन रोविंग वाइंडर पर एकत्रित किया जाता है जिसमें वाइंडिंग अनुपात का स्थिर ट्रेवर्स होता है तथा वाइंड का तरीका कहलाता है।
10. सीएसएम का उत्पादन करने की उत्पादन प्रक्रिया निम्नलिखित है:
 - क) **चोपिंग:** एआर की चोपिंग और उसे फैलाने का कार्य मूविंग कनवेयर पर समान रूप से है।
 - ख) **वाइंडिंग:** पाउडर अथवा इमल्शन के रूप में वाइंडर (प्राप्त आदेश के आधार पर) चोप स्ट्रैंडों पर फैलाया जाता है और फिर उसे सेका जाता है। परिणामी मैटों का रोल बनाकर पैक किया जाता है।
11. यह देखा जाता है कि ग्लास फाइबर के उत्पादन में शामिल प्रमुख उत्पादन प्रक्रिया एआर अथवा डीआर का उत्पादन करने में है। एक बार एआर का उत्पादन होने पर सीएसएम का उत्पादन करने में शामिल उत्पादन प्रक्रिया ही आगे बढ़ती है। पाटनरोधी शुल्क पूर्व में विभिन्न रूपों में उत्पादित और बेची जा रही एक वस्तु के रूप में इनके आयातों पर लगाया गया था। याचिकाकर्ता द्वारा दिए गए निवेश के ब्यौरे भी यह दर्शाते हैं कि 90 प्रतिशत से अधिक निवेश एआर के स्तर तक शामिल हैं।
12. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद का क्षेत्र एशिया कम्पोजिट मैटेरियल (थाइलैंड) कं. लि., थाइलैंड द्वारा सीएसएम के निर्यातों तक सीमित है। वर्तमान प्रवंचना जांचों के तहत शामिल विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र में अन्य ग्लास फाइबर अर्थात् एआर, डीआर और सीएस शामिल नहीं हैं।

13. एशिया कम्पोजिट मैटेरियल (थाइलैंड) कं. लि., थाइलैंड ने उल्लेख किया कि वे थाइलैंड में सीएसएम के एकमात्र उत्पादक हैं। वर्तमान जांचों का क्षेत्र थाइलैंड से सीएसएम के सभी आयातों से संबंधित है, वे चाहे एशिया कम्पोजिट मैटेरियल (थाइलैंड) कं. लि., थाइलैंड के बीजक में हों या न हों।

ग. घरेलू उद्योग/आधार

ग.1 निर्यातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार निम्नलिखित हैं:

14. विरोधी हितबद्ध पक्षकारों ने घरेलू उद्योग के संबंध में निम्नलिखित मुद्दे उठाए हैं:
- घरेलू उद्योग के रूप में याचिकाकर्ता की पात्रता की जांच, जांच की शुरुआत के समय नहीं की गई है। याचिकाकर्ता ने स्वीकार किया है कि वे एक पक्षकार अर्थात् ओसीवी (थाइलैंड) कं. लि. से संबंधित हैं, जो थाइलैंड में सामानों की बिक्री करती है। इस संबंध की जांच प्राधिकारी द्वारा जांच की शुरुआत के समय बिल्कुल नहीं की गई थी।
 - यह भी स्पष्ट नहीं है कि क्या याचिकाकर्ता ने स्वयं सीधे ही अथवा तीसरे पक्षकारों के माध्यम से आयात किए हैं। प्राधिकारी को चाहिए कि वे नियम 2(ख) के आधार पर तथा अपनी सतत परिपाटियों के अनुसार भी घरेलू उद्योग के रूप में याचिकाकर्ता की पात्रता की जांच करें।
 - याचिकाकर्ता ने जांच की अवधि में 25517 मी. टन "ग्लास फाइबर" का आयात किया है। इसके अतिरिक्त, मैसर्स गोवा ग्लास फाइबर लि. की एक संबंधित कंपनी अर्थात् मैसर्स ओएनएस इम्पेक्स ट्रेडर्स प्रा. लि. ने थाइलैंड में संबद्ध निर्यातक से संबद्ध सामानों का आयात किया। मैसर्स गोवा ग्लास फाइबर लि. ने 2015/16 में निष्पत्ति समीक्षा जांच के संबंध में पूर्व याचिका का समर्थन किया था।

ग.2 घरेलू उद्योग के विचार निम्नलिखित हैं:

15. घरेलू उद्योग ने घरेलू उद्योग के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:
- याचिकाकर्ता की थाइलैंड में एक संबंधित कंपनी अर्थात् ओसीवी (थाइलैंड) कं. लि. है। तथापि, ओसीवी (थाइलैंड) कं. लि. थाइलैंड में संबद्ध सामानों की विनिर्माता नहीं है। वह केवल थाइलैंड में संबद्ध सामानों की बिक्री करती है। कंपनी ने भारत में विचाराधीन उत्पाद का निर्यात नहीं किया है।
 - निर्यातक ने स्वयं ही दावा किया है कि वह थाइलैंड में विचाराधीन उत्पाद का एक मात्र उत्पादक है और निर्यातक ने भी यही दावा किया है। यह स्पष्ट रूप से निर्यातक की वर्तमान जांचों में बाधा डालने में खिन्न स्थिति दर्शाता है।
 - पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) में उल्लेख है कि पात्रता निर्धारित करने के लिए "निर्यातक" अथवा "आयातक" के साथ संबंध को देखा जाना अपेक्षित है। संबंधित कंपनी ने भारत में विचाराधीन उत्पाद का निर्यात नहीं किया है।

ग.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

16. प्रवंचनारोधी जांच के लिए तथा सीएसएम के आयातों पर मौजूदा पाटनरोधी शुल्क बढ़ाने के लिए मैसर्स ओवन्स-कॉर्निंग (इंडिया) प्रा. लि. द्वारा याचिका दायर की गई है, नियम 26(1) में निम्नलिखित है:

"(1) जैसा कि यहां नीचे दिया गया है, को छोड़कर, निर्दिष्ट प्राधिकारी घरेलू उद्योग द्वारा या उसकी ओर से कोई लिखित आवेदन पत्र प्राप्त होने पर अधिनियम की धारा 9 के तहत लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की तथाकथित प्रवंचना की मौजूदगी और उसका प्रभाव निर्धारित करने के लिए जांच शुरू कर सकते हैं।"

17. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) में घरेलू उद्योग निम्नलिखित रूप में परिभाषित किया गया है:

"घरेलू उद्योग" का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा ऐसे उत्पादकों से हैं जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है सिवाए उस स्थिति के जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं अथवा वे स्वयं उसके आयातक होते हैं, तो ऐसे मामले में "घरेलू उद्योग" पद का अर्थ शेष उत्पादकों के संदर्भ में लगाया जा सकता है।"

18. यह विवाद नहीं है कि याचिकाकर्ता के उत्पादन का भारतीय उत्पादन में प्रमुख अनुपात है। तथापि, थाई निर्यातक ने इस आधार पर नियम 2(ख) के अभिप्राय से घरेलू उद्योग के स्तर का दावा करने के लिए याचिकाकर्ता की पात्रता पर विवाद किया है कि याचिकाकर्ता की थाइलैंड में एक संबद्ध कंपनी अर्थात् ओसीवी (थाइलैंड) कं. लि. है। यहां तक कि एशिया कम्पोजिट ने दावा नहीं किया है कि यह कंपनी ओसीवी (थाइलैंड) ने ग्लास फाइबर अथवा सीएसएम की उत्पादक है अथवा भारत को सीएसएम का निर्यात किया है। एशिया कम्पोजिट मैटेरियल्स (थाइलैंड) कं., थाइलैंड ने दावा किया है कि वे थाइलैंड में सीएसएम के एकमात्र उत्पादक हैं जो कि वर्तमान मामले में विचाराधीन उत्पाद है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता और कुछ थाई कंपनी के बीच संबंध की मौजूदगी केवल तब महत्वपूर्ण और संगत होती है यदि वे थाई कंपनी वर्तमान मामले में विचाराधीन उत्पाद का

उत्पादक हो और भारत को उसका निर्यात किया हो। जब ऐसी कंपनी द्वारा उत्पादन और भारत में निर्यात का कोई दावा नहीं है तो यह अवास्तविक है कि क्या थाइलैंड में याचिकाकर्ता की कोई संबंधित कंपनी है।

19. याचिकाकर्ता द्वारा "ग्लास फाइबर" के आयात के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्णायक समीक्षा जांच के बाद जारी अंतिम जांच परिणाम में इस मामले की भी जांच की गई थी। उसमें प्राधिकारी ने निष्कर्ष निकाला था कि "... जहां तक तीसरे देशों से याचिकाकर्ता कंपनी द्वारा आयातों का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि ये आयात उन देशों से हैं जो जांचाधीन नहीं हैं। ये आयात याचिकाकर्ता द्वारा उनके वैश्विक संबद्ध उत्पादकों से हैं और इसीलिए नियमानुसार प्राधिकारी को घरेलू कीमतों के संबंध में इन आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए उत्पादों की पुनः बिक्री कीमत पर विचार करना अपेक्षित है। इसके अतिरिक्त, नियम 2(ख) के तहत अकेले संबद्ध देशों से उत्पादों के आयातों पर भी विचार किए जाने की आवश्यकता है। तीसरे देशों से आयात घरेलू उद्योग के रूप में याचिकाकर्ता की पात्रता निर्धारित करने के लिए संगत नहीं है।" परिणामस्वरूप याचिकाकर्ता का घरेलू उद्योग के रूप में आधार प्राधिकारी द्वारा स्वीकृत किया गया था। जांच की अवधि के दौरान इस मामले में भी याचिकाकर्ता द्वारा आयात संबद्ध देश, थाइलैंड से नहीं था बल्कि अन्य देशों में उसकी संबद्ध कंपनियों से था। अतः याचिकाकर्ता का आधार प्रभावित नहीं है।
20. प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता थाइलैंड में उत्पादित सीएसएम के निर्यातक अथवा थाइलैंड में उत्पादित और भारत में निर्यातित सीएसएम के निर्यातक से संबंधित (प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से) है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता ने जांच की अवधि में चीन अथवा थाइलैंड से जांचाधीन उत्पाद का आयात नहीं किया है। आवेदक मैसर्स ओबन्स-कॉर्निंग (इंडिया) प्रा. लि. भारत में विचाराधीन उत्पाद का प्रमुख उत्पादक है जिसका भारत उत्पादन में लगभग 68 प्रतिशत भाग है और इसीलिए उसका उत्पादन पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के साथ पठित नियम 26(1) के अभिप्राय से भारत में विचाराधीन उत्पाद का प्रमुख अनुपात है।

घ. प्रवंचना की मौजूदगी

घ.1 हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अनुरोध

21. इस संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:
- जांच की शुरुआत पाटनरोधी नियमावली के नियम 25(3) के उल्लंघन में की गई है और इसीलिए कानून में बुरी है। कानून का नियम 3 विशिष्ट है और इसीलिए प्रवंचना सिद्ध करने के लिए उसे अनिवार्य रूप से सिद्ध किए जाने की आवश्यकता है। इसमें समान वस्तु की कीमत और/अथवा गुणवत्ता के संबंध में पाटनरोधी के उपचारात्मक प्रभाव पर विचार करने का प्रावधान है।
 - एशिया कम्पोजिट मैटेरियल (थाइलैंड) कं. लि. थाइलैंड से फाइबर ग्लास चोप्ट स्ट्रैंड मैट का उत्पादक एवं निर्यातक है।
 - यह कंपनी ग्लास फाइबर के किसी अन्य उत्पादक की तरह सीएसएम का उत्पादन एवं बिक्री कर रही है तथा इस स्थिति में आवेदक द्वारा उसको लक्ष्य बनाया गया है क्योंकि वे महसूस करते हैं कि भारत में उसके निर्यातों पर एसीएम के विरुद्ध कोई पाटन तथा परिणामी क्षति सिद्ध नहीं की जा सकती।
 - भूमि खरीदी गई थी और भट्टी/संयंत्र स्थापित करने का कार्य किया जा रहा है तथा एसीएम शीघ्र ही एक एकीकृत उत्पादक हो जाएगा। इस प्रकार, एसीएम के पास थाइलैंड में संबद्ध सामानों के उत्पादक के सभी प्रमाण हैं और हमारे निर्यात प्रवंचना प्रभावों के घेरे में नहीं रखे जा सकते।
 - एसीएम की उत्पादन सुविधा में किया गया मूल्यवर्द्धन पाटनरोधी नियमावली में निर्धारित मूल्यवर्द्धन से काफी अधिक है। यहां तक कि विगत में भारत में पाटनरोधी जांचों की हैं जिनमें घरेलू उद्योग ने बहुत सी प्रमुख कच्ची सामग्री का आयात किया।
 - कच्ची सामग्री का आयात करना आवेदक द्वारा लगाए गए आरोप के अनुसार शुल्क से बचने के लिए कोई मॉडल नहीं कहा जा सकता।
 - यदि भारत में चीन जन. गण. से निर्यातित संबद्ध सामानों पर कोई शुल्क नहीं होता तो एसीएम उस समय के दौरान थाइलैंड में उत्पादक के रूप में आ गया होता तथा केवल यह तथ्य कि एसीएम चीन जन. गण. में संबंधित उत्पादकों सहित अन्य देशों से अपनी कच्ची सामग्री का आयात करता है, किसी तथाकथित प्रवंचना के कारक के रूप में नहीं देखा जा सकता।
 - पूरे विश्व में किसी भी प्राधिकारी द्वारा शुरू किए गए प्रवंचना का कोई मामला नहीं है जहां प्रवंचना का आरोप मूल शुल्क लगाए जाने से और प्रवंचनारोधी जांच निर्णायक समीक्षा के काफी बाद शुरू की गई हो।
 - एसीएम द्वारा पेश सीएसएम का कच्ची सामग्री के स्तर से परिष्कृत उत्पाद स्तर तक 35 प्रतिशत से अधिक मूल्यवर्द्धन है तथा इसके विपरीत आवेदक के तर्क उनकी कल्पना मात्र ही हैं।
 - जांच की शुरुआत का आधार यह स्पष्ट करता है कि आवेदक की चिंता केवल एसीएम द्वारा भारत में किए गए निर्यातों से संबंधित है और प्रभावी रूप से वर्तमान प्रवंचना जांच थाइलैंड से एसीएम द्वारा किए गए निर्यातों के विरुद्ध ही है।

- xi. जांच की शुरूआत की अधिसूचना में विषय की पंक्तियों में "के मूल के तथा वहां से निर्यातित" शब्दों का प्रयोग स्पष्ट रूप से भारत में एसीएम द्वारा संबद्ध सामानों का निर्यात दर्शाता है।
- xii. सभी वैधताओं में एसीएम द्वारा किए गए सभी संबद्ध सामानों के निर्यात थाइलैंड के ही मूल के अथवा वहां से निर्यातित के रूप में हैं और किसी अन्य शब्दावली आक्षेपों के लिए अवांछित होगी, इस प्रकार का कोई प्रयोग जो हमारे मामले में पूर्वाग्रही है, उस पर कृपया पुनः विचार किया जाए।
- xiii. आवेदन पत्र में यह स्पष्ट करने के लिए कोई वास्तविक साक्ष्य नहीं है कि पाटनरोधी शुल्क के उपाचारात्मक प्रभाव को कैसे कम किया गया था। यह दर्शाने के लिए बिक्री की सूचना कि बाजार हिस्सा कैसे बढ़ा और अकेले कीमत कटौती संबंधी आंकड़ों पर विश्वास नहीं किया जा सकता, निष्कर्ष स्वरूप बताते हैं कि पाटनरोधी शुल्क के उपाचारात्मक प्रभावों को कम आंका गया था।
- xiv. नए अथवा समीक्षा मामलों में दो मानदंड क्षति के निर्धारक नहीं हो सकते तथा क्षति के सभी मानदंडों की जांच के मात्र निर्धारक नहीं हो सकते। पाटनरोधी शुल्क बिक्री की मात्रा बढ़ाने तथा नकारात्मक कीमत कटौती सुनिश्चित करने के लिए नहीं लगाए गए थे।
- xv. आवेदक को यह सिद्ध करने के लिए पूरी क्षति संबंधी सूचना देनी चाहिए कि क्या पाटनरोधी शुल्क के उपाचारात्मक प्रभाव को कम आंका गया है। क्षति को आवेदक द्वारा ली गई चमक नहीं कहा जा सकता। यही प्रक्रिया इंडोलिनोर के आयातों की जांच में अपनाई गई थी। विगत मामलों में प्राधिकारी ने क्षति की पूर्ण जांच की थी और उससे हटने का कोई कारण उस परिपाटी से स्पष्ट नहीं है।
- xvi. याचिका में याचिकाकर्ता द्वारा क्षति संबंधी कोई सूचना नहीं दी गई है और उनके द्वारा बिक्री के संबंध में दिए गए आंकड़े सुधार दर्शाते हैं।
- xvii. आवेदक ने दावा किया है कि उन्हें प्रवंचना के कारण निरंतर क्षति हो रही है, प्राधिकारी को क्षति से संबंधित कोई तथ्य नहीं दिए गए हैं।
- xviii. दिनांक 06.07.2016 का जांच परिणाम, जो वर्तमान मामले में जांच की अवधि का भाग है, घरेलू उद्योग के निष्पादन पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं दर्शाता बल्कि तथाकथित याचिका में पाटनरोधी शुल्क का उपाचारात्मक प्रभाव आयातों से कम हुआ दर्शाता है।
- xix. सकारात्मक कीमत कटौती कीमत संबंधी क्षति का एक मात्र आधार नहीं हो सकती। इसका आधारभूत रूप से यह अर्थ है कि आयात कीमत घरेलू उद्योग की एनएसआर से कम है। याचिकाकर्ता ने यह सिद्ध नहीं किया है कि कीमत कटौती पाटनरोधी शुल्क के उपाचारात्मक प्रभाव को कैसे कम कर रही है। याचिकाकर्ता को लाभप्रदता, कीमत न्यूनीकरण/ह्रास के संबंध में सूचना देनी चाहिए।
- xx. व्यापार पैटर्न में परिवर्तन को आयात की वास्तविक मात्रात्मक प्रवृत्ति के आलोक में देखे जाने की आवश्यकता है तथा वर्तमान मामले में चीन जन. गण. से सीएसएम के आयात और थाइलैंड से भी सीएसएम के आयात आधार वर्ष में बढ़े हैं। प्रवंचना के मामले के संदर्भ में मुद्रा आयातों में वृद्धि का नहीं है बल्कि आयात में परिवर्तन का है जो वर्तमान मामले में सिद्ध नहीं है।
- xxi. जांच की अवधि का चयन सही नहीं है क्योंकि यह एक वर्ष पुरानी अवधि है, वित्तीय वर्ष चला गया है। याचिकाकर्ता को और अधिक हाल के आंकड़े देने चाहिए।
- xxii. याचिकाकर्ता ने हाल में की गई पूर्ण निर्णायक समीक्षा जांच में प्रवंचना के संबंध में उल्लेख नहीं किया है। वस्तुतः यह रिकार्ड किया गया था कि तीसरे देश से आयात क्षति का कारण नहीं हो सकते।
- xxiii. प्राधिकारी ने निर्णायक समीक्षा जांच में थाइलैंड से आयातों का संज्ञान भी नहीं लिया। याचिकाकर्ता ने वर्ष 2012 से प्रवंचना का आरोप लगाया है, परंतु 2012 में मूल शुल्क लगाए जाने के 7 वर्ष बाद याचिका दायर की है और एमटीआर तथा एसएसआर दोनों इस मामले में मौन थे।
- xxiv. एसीएम थाइलैंड में जांचाधीन उत्पाद का स्थापित उत्पादक है और उसके सामानों के लिए उसे जाना जाता है। थाइलैंड में निवेश का निर्णय थाइलैंड की आर्थिक नीतियों के आधार पर लिया गया था और वह उन शुल्कों को कम करने के लिए नहीं था जो एसीएम के लिए दीर्घावधि अथवा अनिवार्य व्यापारिक मॉडल नहीं हो सकता था।
- xxv. एसीएम ने चीन जन. गण. में संबंधित पक्षकार सहित कच्ची सामग्री के कई उत्पादकों से अपनी कच्ची सामग्री ली क्योंकि रोविंग उत्पादन में निवेश उस समय आरंभिक तौर पर अधिक स्रोतों से लिया जा रहा पाया गया था जब एसीएम की थाइलैंड में स्थापना हुई थी। तथापि, कंपनी का ज्यादा जोर थाइलैंड में रोविंग के अपने उत्पादन पर था तथा रोविंग के उत्पादन के लिए संयंत्र स्थापित करने में काफी प्रगति की गई है।
- xxvi. शीघ्रता की व्यवस्था के रूप में तथा इस तथ्य का दुरुपयोग करने के लिए कि एसीएम विचाराधीन उत्पाद के चीनी उत्पादक से संबंधित है, एक प्रवंचनारोधी याचिका रिकार्ड में लाई गई है।

घ.2 घरेलू उद्योग के विचार

22. इस संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- i. भारत द्वारा ग्लास रोविंग (एआर, डीआर, सीएस, सीएसएम) सहित ग्लास फाइबर पर पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था।
- ii. सिचुआन वीबो न्यू मैटेरियल ग्रुप कं. लि. (चीन) पर अवशेष शुल्क लग रहा था जो 2012 में 7.46 प्रतिशत के व्यक्तिगत शुल्क की तुलना में 40.91 प्रतिशत था जिसे बढ़ाकर निर्णायक समीक्षा जांच में 47 प्रतिशत कर दिया गया था।
- iii. एशिया कम्पोजिट मैटेरियल (थाइलैंड) कं. लि. जांचाधीन उत्पाद ग्लास फाइबर अर्थात् थाइलैंड में सीएसएम का एकमात्र उत्पादक है। वह 2012 में अर्थात् भारत और यूरोप द्वारा चीन जन. गण. के विरुद्ध पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद अस्तित्व में आए। प्रवंचना युक्त उत्पाद भारत में 2012-13 में आने शुरू हुए।
- iv. एशिया कम्पोजिट मैटेरियल (थाइलैंड) कं. लि., सिचुआन वीबो न्यू मैटेरियल ग्रुप कं. लि. (चीन) की एक शाखा है। उत्पादक अर्थात् एशिया कम्पोजिट मैटेरियल (थाइलैंड) कं. लि. अपनी मूल कंपनी अर्थात् सिचुआन वीबो न्यू मैटेरियल ग्रुप कं. लि., चीन से ग्लास रोविंग का आयात करता है और उसे सीएसएम में परिवर्तित करता है तथा भारत को निर्यात करता है।
- v. प्रवंचना के उत्पाद की आयात मात्रा वर्ष 2012-13 और 2013-14 में काफी नहीं थी। अतः उससे पाटनरोधी शुल्क का उपचारात्मक प्रभाव उस सीमा तक कम नहीं हुआ, जैसा कि उसके बाद हुआ है।
- vi. चीनी उत्पादक ने सीएसएम का निर्यात सीधे ही चीन से शुरू नहीं किया बल्कि अप्रत्यक्ष रूप से थाइलैंड से, थाइलैंड को एआर भेजकर शुरू किया ताकि वह पाटनरोधी शुल्क से बचने के लिए मूल का थाइ प्रमाण-पत्र प्राप्त कर सके।
- vii. एशिया कम्पोजिट मैटेरियल (थाइलैंड) कं. लि. की वेबसाइट में स्वयं ही यह घोषित किया गया है कि उनके पास थाइलैंड में परिपूर्ण उत्पादन सुविधाएं नहीं हैं। उसमें यह भी घोषित किया गया है कि वह कंपनी थाइलैंड में ग्लास फाइबर चोपड स्ट्रैंड मैट और ओवन रोविंग की ही विनिर्माता है।
- viii. सीएसएम ग्लास फाइबर की सहायक किस्म ही है जिसमें दो स्तर के प्रसंस्करण की आवश्यकता होती है। पाटनरोधी शुल्क लगने वाले अन्य सहायक किस्म के ग्लास फाइबर में दो स्तर के प्रसंस्करण शामिल नहीं होते।
- ix. एआर से सीएसएम में विनिर्माण प्रक्रिया के लिए काफी विनिर्माण सुविधाओं की आवश्यकता होती है। लगभग 2 से 3 मिलियन अमेरिकी डॉलर का न्यूनतम निवेश (अर्थात् परिपूर्ण उत्पादन सुविधाओं के लिए अपेक्षित 1000 करोड़ रुपए की तुलना में 20 करोड़ भारतीय रुपए से कम) इन विनिर्माण सुविधाओं की स्थापना में लगता है।
- x. ग्लास फाइबर के विनिर्माण के लिए संयंत्र की स्थापना में सीएसएम संयंत्र की स्थापना के लिए अपेक्षित 20 करोड़ रुपए के निवेश की तुलना में लगभग 1000 करोड़ रुपए का निवेश शामिल होता है।
- xi. सीएसएम संयंत्र स्थापित करने के लिए (4-6 माह) पूर्ण विनिर्माण की स्थापना के लिए 15 माह की तुलना में काफी कम समय लगता है।
- xii. एफटीए के तहत इस उत्पाद के लिए उपलब्ध एफटीए रियायतों के मद्देनजर थाइलैंड में विनिर्माण सुविधाएं स्थापित की गई हैं। जांचाधीन उत्पाद पर भारत में थाइलैंड से आयात किए जाने पर शून्य सीमा शुल्क लगता है।
- xiii. निर्यातक ने चीन-थाई रेयॉन औद्योगिक पार्क में एक संयंत्र स्थापित किया है जो कि चीनी विदेशी औद्योगिक स्थल है। इस कंपनी को कारपोरेट आयकर से छूट, संयंत्र एवं मशीनरी, कच्ची सामग्री, निर्यात लाभ, कर छूट आदि पर निवेश संबर्धन अधिनियम के तहत आयातों पर आयात शुल्कों से छूट जैसे कई लाभ मिलते हैं।
- xiv. अवशिष्ट शुल्क लगने वाली चीनी कंपनी ने सीएसएम के निर्माण के लिए एआर के प्रसंस्करण हेतु तथा भारत में सीएसएम के निर्यात के लिए थाइलैंड में एक उत्पादन सुविधा स्थापित की। चीन से थाइलैंड को ग्लास फाइबर के निर्यात की मात्रा बढ़ गई है।
- xv. एआर का निर्यात चीन से थाइलैंड को किया जा रहा है। एआर का सीएसएम में प्रसंस्करण थाइलैंड में किया जा रहा है। एआर और सीएसएम, दोनों विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र के भीतर हैं जिन पर चीन से आयात के मामले में पाटनरोधी शुल्क लगता है। उत्तरदाता निर्यातक ने इस तथ्य को प्रभावली के अपने उत्तर में पहले ही स्वीकार किया है।
- xvi. भारत में थाइलैंड से सीएसएम का आयात पाटनरोधी शुल्क लगने से बढ़ गया है।
- xvii. एशिया कम्पोजिट मैटेरियल (थाइलैंड) कं. लि. चीन से अपनी संबद्ध कंपनियों से एआर की खरीद कर रहा है। चूंकि, एआर भारत में पाटनरोधी शुल्क के अध्याधीन है, अतः मूल्यवर्धन के निर्धारण के लिए एआर का मूल्य भारत में एआर के आयातों पर देय पाटनरोधी शुल्क जोड़ने के बाद निर्धारित किया जाना चाहिए।
- xviii. भारत में एआर के आयात पर चीनी निर्यातक को 47.15 प्रतिशत की दर पर पाटनरोधी शुल्क लग रहा है। यदि यह एआर भारत में आयातित किया जाता तो उस पर 47.15 प्रतिशत का पाटनरोधी शुल्क लगता। चूंकि, यह पाटनरोधी शुल्क भारत में एआर के आयातों पर देय है, अतः इस पाटनरोधी शुल्क को जोड़े बिना कोई मूल्यवर्धन निर्धारित नहीं किया जा सकता।
- xix. एआर की कीमत एआर की अंतर्राष्ट्रीय कीमत के आधार पर माना जाना अपेक्षित है। यही वह कीमत है जिस पर कोरिया भारत को निर्यात कर रहा है।

- xx. चीनी उत्पादकों की उत्पादन लागत किसी भी दशा में यह मानते हुए नहीं मानी जा सकती कि चीनी उत्पादक एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश में हैं। निर्यातक ने हर हाल में अंतरण कीमत के रूप में उत्पादन लागत का दावा किया है क्योंकि उत्पादन लागत नहीं अपनाई जा सकती, यह एआर की अंतर्राष्ट्रीय कीमत मानने के लिए अतिरिक्त कारण है।
- xxi. याचिकाकर्ता ने उचित समायोजनों के बाद मूल मामले के सामान्य मूल्य पर विचार किया है और उसकी तुलना थाइलैंड से विचाराधीन उत्पाद की निर्यात कीमत से की है। थाइलैंड से प्रवंचनायुक्त आयात पाटित कीमतों पर हैं।
- xxii. उत्तरदाता निर्यातक की लागत और कीमत सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए स्वीकार नहीं की जानी चाहिए क्योंकि प्रमुख कच्ची सामग्री का आयात उसकी चीन में संबद्ध (मूल) कंपनी से किया जा रहा है और मूल कंपनी बाजार अर्थव्यवस्था की स्थिति के तहत काम नहीं कर रही है।
- xxiii. कानून में स्पष्ट उल्लेख है कि कम आंके जा रहे पाटनरोधी शुल्क के उपचारात्मक प्रभाव का साक्ष्य कीमत और/अथवा गुणवत्ता के संदर्भ में देखा जाना है। अतः कानून में कीमत और गुणवत्ता के संबंध में ही सूचना अनिवार्य है तथा पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के तहत निर्धारित सभी 14 मानदंडों के संबंध में सूचना अपेक्षित नहीं है।
- xxiv. यूरोपीय संघ यह निर्धारित करते हुए कि क्या प्रवंचना परिपाटी ने पाटनरोधी शुल्क के उपचारात्मक प्रभाव को कम किया है अथवा नहीं, (क) कम कीमत पर बिक्री, (ख) मांग में बाजार हिस्सा, (ग) आयातों में बाजार हिस्से के मानदंडों पर विचार करता है।
- xxv. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने विगत में प्रवंचना संबंधी दो जांचों में निर्णय लिया है और दोनों जांचों में उन्होंने घटते उपचारात्मक प्रभाव अर्थात् बाजार हिस्सा और कीमत कटौती के लिए दो मानदंडों पर विचार किया।
- xxvi. पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के समय से ही सीएसएम के कुल आयातों में थाइलैंड का हिस्सा बढ़ा है, जबकि सीएसएम के कुल आयातों में चीन के हिस्से में गिरावट आई है। अन्य देशों का हिस्सा समान रहा है।
- xxvii. चीन से ग्लास फाइबर पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से और चीनी उत्पादक का थाइलैंड में कम निवेश करके भारत को थाइलैंड से सीएसएम के निर्यात करने के इरादे से व्यापार के पैटर्न में परिवर्तन आया है।
- xxviii. घरेलू उद्योग और चीन के बाजार हिस्से में गिरावट आई है और थाइलैंड का बाजार हिस्सा पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से बढ़ा है। घरेलू उद्योग पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बावजूद अपना बाजार हिस्सा बनाए रखने में असमर्थ है।
- xxix. थाइलैंड से आने वाले आयात बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों की काफी कटौती कर रहे हैं।
- xxx. थाइलैंड से सीएसएम की प्रवंचना के कारण चीन जन. गण. के विरुद्ध ग्लास फाइबर पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क का उपचारात्मक प्रभाव कम हुआ है।
- xxxi. याचिकाकर्ता ने थाइलैंड के माध्यम से एक चीनी उत्पादक द्वारा पाटनरोधी शुल्क की प्रवंचना का आरोप लगाया है। चीनी कंपनी ने भारत को अपना सीएसएम का निर्यात कम कर दिया है और थाइलैंड को अपना सीएसएम का निर्यात बढ़ा दिया है।
- xxxii. चूंकि, एक ही चीनी कंपनी ऐसी है जो प्रवंचना का सहारा ले रही है, अतः उनके चीन से भारत को निर्यातों को ही देखा जाना चाहिए। चूंकि, उपर्युक्त सूचना केवल या तो निर्यातक के पास है अथवा निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास है, अतः याचिकाकर्ता निर्दिष्ट प्राधिकारी से अनुरोध करते हैं कि वे कृपया उस पर विचार करें और निर्धारण करें।
- xxxiii. कुल आयातों में चीन का हिस्से 85 प्रतिशत से घटकर 37 प्रतिशत हो गया है, जबकि थाइलैंड का हिस्सा 3 प्रतिशत से बढ़कर 49 प्रतिशत हो गया है। यह स्पष्ट रूप से व्यापार पैटर्न में परिवर्तन और चीन और थाइलैंड से आयातों का बदलना दर्शाता है।
- xxxiv. निर्णायक समीक्षा और प्रवंचनारोधी जांचों के क्षेत्र पूरी तरह अलग-अलग हैं। निर्णायक समीक्षा चीनी आयातों से संबंधित हैं। वर्तमान जांचें केवल थाइलैंड से एशिया कम्पोजिट के निर्यातों से संबंधित हैं।
- xxxv. विरोधी हितबद्ध पक्षकार प्राधिकारी को "वास्तविक क्षति" और "पाटनरोधी शुल्क का प्रभाव कम किया गया है" को बराबर करके भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं। अन्य हितबद्ध पक्षकार यह अभिप्राय निकालना चाहते हैं कि प्राधिकारी द्वारा निर्धारित वर्तमान जांच की अवधि का उससे कोई संबंध नहीं है और निर्णायक समीक्षा के लिए जांच की अवधि अब भी क्षेत्र है, इसके बावजूद कि थाइलैंड से आयातों में वृद्धि है।
- xxxvi. क्षति संबंधी पूर्ण सूचना देना अपेक्षित नहीं है, अन्यथा कानून के निर्माताओं ने वास्तविक क्षति शब्द लिखा होता। कानून के निर्माताओं ने पाटनरोधी शुल्क के उपचारात्मक प्रभाव को कम करना शब्द इस्तेमाल किये हैं।
- xxxvii. कानून का ध्यानपूर्वक अध्ययन करने से यह बात सामने आएगी कि जहां भी निर्दिष्ट प्राधिकारी ने क्षति की जांच करना चाहा, वहां उन्होंने उसका विशेष रूप से उल्लेख किया है। एनएसआर अथवा प्रवंचना कानून में नियम 11 अर्थात् क्षति का निर्धारण का कोई संदर्भ नहीं है।
- xxxviii. थाइलैंड से सीएसएम के आयात निर्णायक समीक्षा जांच की जांचावधि के बाद तेजी से बढ़े हैं। आयात पूर्व जांच की अवधि से वर्तमान मामले की जांच की अवधि में 260 प्रतिशत अधिक बढ़े हैं।

च.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

23. प्राधिकारी ने उपर्युक्त अनुरोधों और संगत अधिनियम/नियमावली अर्थात् सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1975 की धारा 9क(1) तथा पाटनरोधी नियमावली के नियम 25 के तहत तथाकथित प्रवंचना क्रियाकलाप को नोट किया है जिसमें निम्नलिखित उल्लेख है:
- सीमा प्रशुल्क अधिनियम की धारा 9क(1क), जिसमें केंद्र सरकार, ऐसी जांच, जिसे वह आवश्यक समझे, का यह मत है कि उप धारा (1) के तहत लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की प्रवंचना हुई है, या तो विवरण अथवा नाम अथवा उस वस्तु के संगठन में परिवर्तन करके, जो ऐसे पाटनरोधी शुल्क के अध्यक्षीन है अथवा ऐसी वस्तु का आयात अनसेंबलड अथवा डिसअसेंबलड रूप अथवा उसके मूल देश को बदलकर अथवा निर्यात अथवा किसी अन्य तरीके से किया गया है जिसमें लगाया गया पाटनरोधी शुल्क अप्रभावी रखा गया है, वह ऐसी वस्तु अथवा उस देश के मूल की अथवा वहां से निर्यातित वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क लगा सकती है, जैसी भी स्थिति हो।
24. "पाटनरोधी शुल्क की प्रवंचना" के संबंध में पाटनरोधी नियमावली का नियम 25 इस प्रकार है:
- (1) जहां पाटनरोधी शुल्क के अध्यक्षीन किसी वस्तु का पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के प्रयोजन के लिए अधिसूचित निर्यातक देश अथवा मूल देश सहित किसी भी देश से भारत में अनसेंबलड, अनफिनिशड अथवा इनकम्प्लीट रूप में किया जाता है तथा उसे भारत में अथवा ऐसे देश में असेंबल, फिनिशड अथवा कम्प्लीट किया जाता है तो ऐसी असेंबलिंग, फिनिशिंग अथवा कम्प्लीशन को लागू पाटनरोधी शुल्क की प्रवंचना माना जाएगा, यदि:
- (क) प्रचालन पाटनरोधी जांच के बाद अथवा ठीक उससे पूर्व प्रारंभ किया गया हो अथवा बढ़ाया गया हो तथा हिस्से पुर्जों एवं संघटकों का पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के प्रयोजन के लिए अधिसूचित मूल देश अथवा निर्यातक देश से आयात किया गया हो,
- और
- (ख) असेंबलिंग, फिनिशिंग अथवा कम्प्लीशन के कार्य के परिणामस्वरूप मूल्य असेंबलड, फिनिशड अथवा कम्प्लीट वस्तु की लागत के 35 प्रतिशत से कम हो।
- व्याख्या-I – मूल्य का अर्थ असेंबलड, फिनिशड अथवा कम्प्लीट वस्तु की लागत में से आयातित हिस्सों पुर्जों अथवा संघटकों का मूल्य घटाकर
- व्याख्या-II – "मूल्य" का परिकलन करने के प्रयोजन के लिए बौद्धिक संपत्ति अधिकार, रॉयल्टी, तकनीकी जानकारी शुल्क तथा परामर्शी प्रभारों से संबंधित भुगतानों के निमित्त किए गए खर्चों को हिसाब में नहीं दिया जाएगा।
- (2) जहां पाटनरोधी शुल्क के अध्यक्षीन कोई वस्तु मूल देश से अथवा वस्तु के विवरण, नाम अथवा निर्माण के परिवर्तन में शामिल किसी प्रक्रिया के अध्यक्षीन रखे जाने के बाद पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के लिए अधिसूचित निर्यातक देश से भारत में आयात किए जाते हैं, वहां ऐसे परिवर्तन लागू पाटनरोधी शुल्क की प्रवंचना के लिए माने जाएंगे, यदि पाटनरोधी शुल्क के अध्यक्षीन उस वस्तु के विवरण अथवा नाम अथवा निर्माण के परिवर्तन के फलस्वरूप प्रशुल्क वर्गीकरण, यदि कोई है, के अंतर को ध्यान में रखते हुए छोटे रूपों में भी दिखाई देने वाले अथवा उस स्वरूप में वस्तु में परिवर्तन हो रहा है।
- (3) जहां पाटनरोधी शुल्क के अध्यक्षीन कोई वस्तु उस निर्यातक अथवा उत्पादक अथवा देश के माध्यम से भारत में आयातित की जाती है जो पाटनरोधी शुल्क के अध्यक्षीन नहीं है तो ऐसे निर्यात लागू पाटनरोधी शुल्क की प्रवंचना के लिए माने जाएंगे, यदि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के लिए अधिसूचित निर्यातक अथवा उत्पादक उस वस्तु की अपनी व्यापार परिपाटी, व्यापार पैटर्न अथवा बिक्री के चैनल में निर्यातकों अथवा उत्पादकों अथवा उस देश के माध्यम से भारत में निर्यातित अपने उत्पादों को देने के लिए परिवर्तन करते हैं जो पाटनरोधी शुल्क के अध्यक्षीन नहीं हैं।
- व्याख्या – इस उप नियम के प्रयोजन के लिए यह सिद्ध किया जाएगा कि व्यापार परिपाटी, व्यापार पैटर्न अथवा बिक्री के चैनलों में परिवर्तन हुआ है, यदि निम्नलिखित शर्तें पूरी की जाएं, यथा:
- (क) औचित्य, आर्थिक अथवा अन्यथा का अभाव, पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने को छोड़कर,
- (ख) यह साक्ष्य कि पाटनरोधी शुल्क के उपचारात्मक प्रभाव समान उत्पादों की कीमत और/अथवा गुणवत्ता के संदर्भ में कम किए गए हैं।
25. याचिकाकर्ता द्वारा यह तर्क दिया गया था कि सिचुआन वीबो न्यू मैटेरियल ग्रुप कं. लि. (चीन) पर अवशिष्ट शुल्क लग रहा है और सीएसएम बनाने के लिए एआर का प्रसंस्करण करने हेतु एशिया कम्पोजिट मैटेरियल (थाइलैंड) कं., थाइलैंड के नाम से थाइलैंड में उत्पादन सुविधा स्थापित की है और पाटनरोधी शुल्क की प्रवंचना करने के लिए भारत को सीएसएम का निर्यात कर रहा है। इसके अतिरिक्त, चीन से थाइलैंड को ग्लास फाइबर के निर्यात की मात्रा हाल की अवधि में बढ़ी है।
26. प्राधिकारी घरेलू उद्योग और एशिया कम्पोजिट मैटेरियल (थाइलैंड) कं., थाइलैंड, दोनों के परिसरों में उचित सत्यापन के बाद निम्नलिखित नोट करते हैं:

घ.4 स्वामित्व

27. एशिया कम्पोजिट मैटेरियल (थाइलैंड) कं. लि. अथवा एसीएम अपनी एक सहायक कंपनी चेंगडू सिंसियेरिटी हॉटियन कम्पोजिट मैटेरियल्स कं. लि., चीन जन. गण. के माध्यम से सिचुआन वीबो न्यू मैटेरियल ग्रुप कं. लि. (चीन) से कम सहायक कंपनी है। एसीएम द्वारा दी गई सूचना यह दर्शाती है कि एसीएम थाइलैंड के शेयरधारक निम्नलिखित हैं:

क्रम सं.	कंपनी	शेयर की सं.
1.	चेंगडू सिंसियेरिटी हॉटियन कम्पोजिट मैटेरियल्स कं. लि., चीन जन. गण.	***
2.	सिचुआन सिंसियर एंड लांग टर्म कॉम्प्लेक्स मैटेरियल कं. लि., चीन जन. गण.	***
3.	चेंगडू जु टेंग मैटेरियल्स कं. लि., चीन जन. गण.	***

28. एसीएम के सभी शेयर इन तीन चीनी कंपनियों द्वारा ही धारित किए जाते हैं, सिचुआन सिंसियर एंड लांग टर्म कॉम्प्लेक्स मैटेरियल कं. लि., चीन जन. गण., चेंगडू सिंसियेरिटी हॉटियन कम्पोजिट मैटेरियल्स कं. लि., चीन जन. गण. की एक सहायक कंपनी है। चेंगडू सिंसियेरिटी हॉटियन कम्पोजिट मैटेरियल्स कं. लि., चीन जन. गण., सिचुआन वीबो न्यू मैटेरियल ग्रुप कं. लि. की एक सहायक कंपनी है। सिचुआन सिंसियर एंड लांग टर्म कॉम्प्लेक्स मैटेरियल कं. लि., चीन में संबद्ध सामानों की विनिर्माता है। इस प्रकार, थाई और चीनी उत्पादक, दोनों सिचुआन वीबो न्यू मैटेरियल ग्रुप कं. लि. (चीन) की सहायक कंपनी है।
29. प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि सिचुआन वीबो न्यू मैटेरियल ग्रुप कं. लि. (चीन) ने या तो मूल जांच के समय अथवा मध्यावधि समीक्षा के समय और निर्णायक समीक्षा के समय निर्दिष्ट प्राधिकारी के साथ सहयोग नहीं किया और इसीलिए वर्तमान में उन पर भारत में विचाराधीन उत्पाद के उनके निर्यातों पर 47.15 प्रतिशत की दर से अवशिष्ट शुल्क लग रहा है।

घ.5 एशिया कम्पोजिट मैटेरियल (एसीएम) के व्यापारिक क्रियाकलाप

30. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह कंपनी थाइलैंड के रेयांग प्रोविंस में अमाता शहर के समीप स्थित है। संयंत्र औद्योगिक क्षेत्र में स्थित है जिसका विकास चीन द्वारा किया गया है और मुख्य रूप से चीनी कंपनियों में है। यह कंपनी इस क्षेत्र में निवेश करने के लिए निवेश संबंधी कई लाभ प्राप्त करती है जिनमें अन्य बातों के साथ-साथ कम भूमि लागत; पूंजीगत सामानों और कच्ची सामग्री, दोनों के लिए शून्य आयात शुल्क लाभ; पूर्ण लाभान्श वापसी; अपेक्षित कार्मिकों की भर्ती पर कोई प्रतिबंध नहीं; आदि शामिल हैं।
31. संयंत्र और मशीनरी के संदर्भ में, कंपनी ने एआर से सीएसएम के उत्पादन के लिए तीन लाइनें स्थापित की हैं। विनिर्माण प्रक्रिया में एआर की चोपिंग और उसे कंधे पर चलाने के लिए उसे फैलाना शामिल है। चूर्ण अथवा इमल्शन (प्राप्त आदेश के आधार पर) के रूप में वाइंडर को चोपड स्ट्रैंडों पर फैलाया जाता है और फिर उसे सेका जाता है। परिणामी मैटों को रोल किया जाता है, पैक किया जाता है और निर्यात किया जाता है।
32. प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि यह कंपनी चीन जन. गण. से एआर का आयात करते हुए ग्लास फाइबर सीएसएम का उत्पादन कर रही है। कंपनी ने चीन में अपनी संबद्ध कंपनी से लगभग 90 प्रतिशत रोलिंग का आयात किया है और शेष का आयात चीन में अन्य विनिर्माताओं से किया है। सीएसएम के उत्पादन के लिए अपेक्षित वाइंडर का या तो जापान से आयात किया जाता है अथवा स्थानीय खरीदारी की जाती है।

घ.6 एशिया कम्पोजिट मैटेरियल (थाइलैंड) कं. लि. (एसीएम) की उत्पादन सुविधा

33. सत्यापन के दौरान यह नोट किया गया था कि एसीएम के पास थाइलैंड में एआर अथवा डीआर अथवा सीएस के उत्पादन के लिए संयंत्र नहीं है। एसीएम ने दावा किया कि वे अब पिछड़े एकीकरण की प्रक्रिया में हैं और अपनी निजी भट्टी स्थापित कर रहे हैं। एसीएम के परिसरों में स्थल जांचों के समय एसीएम ने सूचित किया कि कंपनी ने इस संयंत्र की स्थापना के लिए कार्य पहले ही आरंभ कर दिया है और उसके मार्च, 2019 तक पूरा हो जाने की आशा है। एसीएम को आशा है कि उसके तत्काल बाद वह थाइलैंड में एआर, डीआर और सीएस का वाणिज्यिक उत्पादन शुरू कर देगा। तब तक एसीएम का इरादा चीन से एआर का आयात करने, थाइलैंड में सीएसएम का उत्पादन करने और विभिन्न देशों को निर्यात करने का है। याचिकाकर्ता के परिसरों में स्थल सत्यापन पर यह बात भी सामने आई कि सीएसएम के उत्पादन के लिए अपेक्षित उत्पादन सुविधाओं की तुलना में ग्लास फाइबर संयंत्र की स्थापना के लिए काफी निवेश की आवश्यकता होती है।
34. इस समय थाइलैंड में स्थापित विनिर्माण उसकी उत्पादन लाइन के क्रम में प्रतीत होती है। जहां चीन में विनिर्मित एआर सीएसएम में अंतिम परिवर्तन के लिए थाइलैंड में उसकी अपनी संबद्ध कंपनी को भेजी जाती थी। यह उल्लेखनीय है कि थाइलैंड में किया जा रहा क्रियाकलाप कुछ नहीं है बल्कि थाइलैंड में उत्पादन सुविधाओं का विस्तार है। इसके अतिरिक्त, इस तथ्य पर कोई विवाद नहीं है कि चीन में उत्पादित और सीएसएम में परिवर्तन के लिए थाइलैंड को निर्यातित एआर तथा भारत को निर्यात पाटनरोधी शुल्क के अध्येधीन रखे जाएंगे, यदि एआर और सीएसएम के रूप में सीधे ही भारत को आपूर्ति किए जाते।

35. एसीएम द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर प्राधिकारी यह पाते हैं कि 93 प्रतिशत सीएसएम का निर्यात किया जा रहा है और केवल 7 प्रतिशत सीएसएम की घरेलू तौर पर बिक्री की जा रही है। एसीएम जांचाधीन अधिकतर उत्पादों का निर्यात कर रही है। इसके अतिरिक्त, यह नोट किया जाता है कि केवल एक घरेलू कंपनी ही एक व्यापारी है जो सीएसएम की खरीद कर रही है। इस बात की पुष्टि नहीं की गई कि यह कंपनी उत्पाद का निर्यात नहीं कर रही है बल्कि थाइलैंड में घरेलू प्रयोक्ताओं को आगे उसकी बिक्री कर रही है। यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि एसीएम एक निर्यातानुमुख यूनिट है।

घ.7 प्रवंचना का स्वरूप

36. प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान मामले में:

- क. थाई कंपनी एसीएम सिचुआन वीबो न्यू मैटेरियल ग्रुप कं., चीन जन. गण. की एक निचली सहायक कंपनी है।
 ख. चीनी प्रमुख एक उत्पादक भी है जिस पर भारत में पाटनरोधी शुल्क लग रहा है।
 ग. भारत को थाइलैंड से निर्यात किए जा रहे सीएसएम का उत्पादन चीन जन. गण. में उसकी संबद्ध समूह कंपनी से थाइलैंड में एआर का आयात करके किया जा रहा है।
 घ. चीन जन. गण. से सीधे ही निर्यातित एआर और सीएसएम दोनों भारत में पाटनरोधी शुल्क के समान स्तर के अध्यक्षीन हैं।
 ङ. थाइलैंड में निवेश बहुत कम हैं जब उसकी तुलना ग्लास फाइबर संयंत्र में अपेक्षित निवेश के स्तर से की जाए।

37. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जिस उत्पाद पर चीन जन. गण. से सीधे ही भारत में निर्यात होने पर पाटनरोधी शुल्क लगता है, वह दूसरे देश अर्थात् थाइलैंड के मार्ग से आ रहा है। जहां से निर्यात पर परिवर्तित स्वरूप में कोई पाटनरोधी शुल्क नहीं लगता, यह नोट करना भी वास्तविक है कि चीन जन. गण. से थाइलैंड में आयातित उत्पाद एआर है और उसके स्वरूप में विनिर्माण प्रक्रिया के माध्यम से परिवर्तन होता है। तथापि, परिवर्तित स्वरूप अर्थात् सीएसएम, जिसका वास्तव में थाइलैंड से निर्यात किया जाता है, पर भारत में चीन से आयात किए जाने पर पाटनरोधी शुल्क लगता है। पाटनरोधी शुल्क लगाने वाली भारतीय सीमा शुल्क अधिसूचना वही है और ग्लास फाइबर के अलग-अलग रूपों में एआर और सीएसएम दोनों को मानती है तथा दोनों स्वरूपों पर समान स्तरीय पाटनरोधी शुल्क लगाती है। इस प्रकार, प्राधिकारी का यह मत है कि नीचे दिए गए अनुसार पाटनरोधी नियमावली के नियम 25(3) में वर्णित प्रवंचना का स्वरूप इस मामले में व्यापक रूप से उपयुक्त है, बशर्ते कि इस नियम की अतिरिक्त अपेक्षाओं को पूरा करने वाले मानदंड हों, जैसा कि वे हैं:

"25(3) जहां पाटनरोधी शुल्क के अध्यक्षीन कोई वस्तु उस निर्यातक अथवा उत्पादक अथवा देश के माध्यम से भारत में आयातित की जाती है जो पाटनरोधी शुल्क के अध्यक्षीन नहीं है तो ऐसे निर्यात लागू पाटनरोधी शुल्क की प्रवंचना के लिए माने जाएंगे, यदि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के लिए अधिसूचित निर्यातक अथवा उत्पादक उस वस्तु की अपनी व्यापार परिपाटी, व्यापार पैटर्न अथवा बिक्री के चैनल में निर्यातकों अथवा उत्पादकों अथवा उस देश के माध्यम से भारत में निर्यातित अपने उत्पादों को देने के लिए परिवर्तन करते हैं जो पाटनरोधी शुल्क के अध्यक्षीन नहीं हैं।"

व्याख्या – इस उप नियम के प्रयोजन के लिए यह सिद्ध किया जाएगा कि व्यापार परिपाटी, व्यापार पैटर्न अथवा बिक्री के चैनलों में परिवर्तन हुआ है, यदि निम्नलिखित शर्तें पूरी की जाएं, यथा:

(क) औचित्य, आर्थिक अथवा अन्यथा का अभाव, पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने को छोड़कर,

(ख) यह साक्ष्य कि पाटनरोधी शुल्क के उपचारात्मक प्रभाव समान उत्पादों की कीमत और/अथवा गुणवत्ता के संदर्भ में कम किए गए हैं।"

ङ. व्यापार और पाटन मार्जिन के पैटर्न में परिवर्तन

ङ.1 व्यापार के पैटर्न में परिवर्तन

38. नियम 25 के तहत प्राधिकारी ने यह जांच की कि क्या व्यापार के पैटर्न में परिवर्तन है और क्या इस परिवर्तन से परिपाटी प्रक्रिया अथवा कार्य से फैलाव बना है जिसके लिए शुल्क लगाए जाने को छोड़कर अपर्याप्त उचित कारण अथवा आर्थिक औचित्य तथा निम्नलिखित तालिका व्यापार पैटर्न दर्शाती है:

विवरण	2013-14	2014-15	2015 - 16	2016-17
संबद्ध कंपनी से थाइलैंड को एआर के आयात				
रोविंग – वीबो	***	***	***	***
थाइलैंड से सीएसएम के निर्यात				
भारत को	162	2,182	5,775	6,854

39. प्राधिकारी नोट करते हैं कि थाइलैंड में रोविंग के आयातों की मात्रा पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद बढ़ी है और साथ ही साथ थाइलैंड से सीएसएम के निर्यातों की मात्रा बढ़ी है। इसके अतिरिक्त, एसीएम द्वारा भारत में सीएसएम के निर्यात बढ़े हैं जबकि तीसरे देश को निर्यात तथा घरेलू बिक्री में गिरावट आई है।

विवरण	2015	2016	जांच की अवधि
भारत को निर्यात	***	***	***
घरेलू बाजार में बिक्री	***	***	***
अन्य देशों को निर्यात	***	***	***
कंपनी की कुल बिक्री	***	***	***
भारत को निर्यात का %	***	***	***

40. यह देखा जाता है कि एसीएम के अधिकतर निर्यात भारत को हैं और भारत को इसकी बिक्री का हिस्सा वर्ष दर वर्ष आधार पर बढ़ता जा रहा है।
41. प्राधिकारी ने भारत में सीएसएम के आयातों में चीन और थाइलैंड के बाजार हिस्से की भी जांच की। पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने पर चीन का बाजार हिस्सा कम हुआ है जबकि थाइलैंड का बाजार हिस्सा बढ़ा है, जैसा कि निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है:

सीएसएम के आयात में बाजार हिस्सा				
	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17
चीन	85%	51%	34%	37%
थाइलैंड	3%	24%	41%	49%
अन्य देश	12%	26%	25%	14%

42. व्यापार के पैटर्न में परिवर्तन संबंधी समग्र निष्कर्ष के संबंध में प्राधिकारी ने भारत में जांचाधीन उत्पाद के लिए चीन जन. गण. के बाजार हिस्से में निरंतर गिरावट को नोट किया है जिसके साथ-साथ भारत में थाइलैंड के बाजार हिस्से में वृद्धि को भी नोट किया है। चीन जन. गण. से थाइलैंड को एआर के निर्यातों की वृद्धि के संदर्भ में देखे जाने पर भारत में पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद अपरिहार्य निष्कर्ष यह है कि तीन देशों में व्यापार के पैटर्न में बहुत ही स्पष्ट और विशिष्ट परिवर्तन है।

ऊ.2 पाटन मार्जिन

ऊ.2.1 एसीएम का सामान्य मूल्य

43. प्राधिकारी ने नोट किया कि एसीएम के पास उत्पादन लागत के सही-सही निर्धारण कर पाने के लिए एसएपी आधारित वास्तविक समय लेखांकन प्रणाली नहीं है। लेखांकन आंकड़े/लेन-देन सामान्यतः उपलब्ध लेखांकन/आंकड़ा सॉफ्टवेयर का प्रयोग करके मैनुअल तरीके से संकलित किए जाते हैं। यह कंपनी थाइलैंड के रेयांग प्रोविंस में अमाता शहर के समीप स्थित है। संयंत्र औद्योगिक क्षेत्र में स्थित है जिसका विकास चीन द्वारा किया गया है और मुख्य रूप से चीनी कंपनियों में है। थाइलैंड सरकार थाइलैंड में निवेश करने के लिए एसीएम को कई निवेश संबंधी लाभ प्रदान करती है, इसमें अन्य बातों के साथ-साथ आय कर तथा आयात कर छूट/लाभ; लाभांश वापसी; भूमि स्वामित्व अधिकार तथा विदेशियों की भर्ती करने की स्वतंत्रता शामिल हैं।
44. निर्यातक द्वारा प्रस्तुत लागत संबंधी आंकड़ों के आधार पर और जैसा कि प्राधिकारी द्वारा सत्यापित किया गया है, इस मामले में सामान्य मूल्य का परिकलन निर्यातकों के रिकार्ड से प्राप्त की गई एआर की उचित बाजार कीमत को ध्यान में रखते हुए तथा एसीएम की अन्य लागतों, जैसा कि दावा किया गया है और सत्यापित किया गया है, की अनुमति देकर किया गया है। निकाली गई उस बिक्री लागत पर औसत लाभ मार्जिन पर विचार किया गया है। सीएसएम के लिए सामान्य मूल्य तदनुसार निर्धारित किया गया है और प्राधिकारी द्वारा *** अमेरिकी डॉलर/किग्रा के रूप में निकाला गया है।

ऊ.2.2 निर्यात कीमत

45. एसीएम ने प्रश्नावली का उत्तर दायर किया है जो यह दर्शाता है कि उन्होंने 7434 मी. टन सीएसएम का निर्यात किया है। कंपनी ने भाड़ा एवं बीमा के निमित्त कीमत समायोजन रिपोर्ट किया है तथा उस पर कारखानागत निर्यात कीमत निकालने के लिए उचित सत्यापन के बाद विचार किया गया है। तदनुसार, भारित औसत निर्यात कीमत पाटन तालिका में दर्शाए गए अनुसार निर्धारित की गई है।

इ.2.3 पाटन मार्जिन

46. परिकलित सामान्य मूल्य के आधार पर स्थापित पाटन मार्जिन (निम्नलिखित तालिका देखें) पाटनरोधी नियमावली में उल्लिखित न्यूनतम स्तर से अधिक है।

विवरण	यूओएम	
सामान्य मूल्य	डॉलर/किग्रा	***
निर्यात कीमत	डॉलर/किग्रा	***
पाटन मार्जिन	डॉलर/किग्रा	***
पाटन मार्जिन	%	***
रेंज	%	0 - 10

च. प्रवचना द्वारा विचाराधीन उत्पाद पर मौजूदा पाटनरोधी शुल्क का घटता हुआ उपचारात्मक प्रभाव**च.1 पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने को छोड़कर आर्थिक अथवा अन्यथा औचित्य**

47. प्राधिकारी नोट करते हैं कि एसीएम को कुछ वाणिज्यिक एवं आर्थिक लाभ थाइलैंड सरकार द्वारा दिए गए निवेश संबंधी लाभों के कारण हुए हैं। तथापि, एसीएम प्राधिकारी द्वारा कहे जाने के बावजूद वास्तविक लाभ प्राप्त नहीं कर पाया। इसके अतिरिक्त, प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन. गण. से भारत में जांचाधीन उत्पाद के आयात पर लगभग 55 प्रतिशत की दर से शुल्क लग रहा है जो थाइलैंड से आयात किए जाने पर नहीं लगता। यह थाइलैंड से होकर निर्यात करने का एक सशक्त प्रोत्साहन है।

48. प्राधिकारी ने थाई कंपनी की वेबसाइट के स्क्रीन शॉट का याचिकाकर्ता द्वारा दिया गया साक्ष्य भी रिकार्ड किया है जिसमें निम्नलिखित उल्लेख है:

"हम थाइलैंड में अपने ग्राहकों को अच्छी सेवा दे सकते हैं और अपने ग्राहकों को पूरे विश्व में विशेषकर उन क्षेत्रों में जहां चीन में निर्मित सीएसएम के लिए पाटनरोधी शुल्क जोड़ने की आवश्यकता होती है, भी सेवा दे सकते हैं।"

49. यद्यपि, उपर्युक्त विवरण वेबसाइट से अब हटा दिया गया है, तथापि, जांच के दौरान एसीएम ने याचिकाकर्ता द्वारा दिए गए साक्ष्य के रूप में उपर्युक्त विवरण का कभी भी खंडन नहीं किया।

50. अतः प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि भारत में पाटनरोधी शुल्क थाइलैंड के माध्यम से सीएसएम के निर्यातों को भेजना चीन जन. गण. के निर्यातकों के लिए प्रमुख कारण है।

च.2 उपचारात्मक प्रभाव कम करना

51. प्राधिकारी ने सीएसएम के भारत में निर्यात के लिए एसीएम थाइलैंड के निर्यात आंकड़ों पर विचार किया है और घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से उसकी तुलना की है। संक्षेप में तालिका निम्नलिखित है। यह देखा जाता है कि कीमत कटौती की मात्रा काफी है।

विवरण	यूओएम	सीएसएम
आयात मात्रा	मी. टन	6,854
सीआईएफ मूल्य	रु./किग्रा	99.36
पहुँच कीमत	रु./किग्रा	99.36
घरेलू उद्योग की एनएसआर	रु./किग्रा	***
कीमत कटौती	रु./किग्रा	***
कीमत कटौती	%	***
रेंज	%	20 - 30

52. प्राधिकारी ने यह भी जांच की कि क्या सीएसएम के आयात भारत में सीएसएम के उत्पादन और खपत की तुलना में तथा पूर्ण दृष्टि से काफी मात्रा में बड़े हैं। यह देखा जाता है कि थाइलैंड से सीएसएम की मात्रा पूर्ण दृष्टि से और भारत में कुल आयातों की तुलना में काफी बड़ी। यह भी देखा जाता है कि जबकि चीन से आयात उसी क्षेत्र में पूर्ण मात्रा में रहे हैं, एसीएम की संबंधित कंपनी से आयातों की मात्रा में गिरावट आई है।

विवरण	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17
सीएसएम के आयातों की मात्रा (मी. टन)				
चीन कुल	5,093	4,676	4,837	5,226
थाइलैंड	162	2,182	5,775	6,854
अन्य देश	740	2,385	3,500	1,911
कुल आयात	5,996	9,243	14,112	13,991
सीएसएम के आयात में बाजार हिस्सा				
चीन	85%	51%	34%	37%
थाइलैंड	3%	24%	41%	49%
अन्य देश	12%	26%	25%	14%

53. निर्यातक ने आयात आंकड़ों के आधार पर दावा किया है कि:

- भारत में एशिया कम्पोजिट मैटेरियल (थाइलैंड) कं. लि. की निर्यात कीमत पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद चीन जन. गण. से संबद्ध सामानों के आयातों की पहुँच कीमत से अधिक कीमत पर थी।
- पाटनरोधी शुल्क के साथ चीन जन. गण. से पहुँच कीमत प्रभावी रूप से वह कीमत है जो घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित है। किसी कीमत पर एसीएम से आयात चीन जन. गण. से उस कीमत से काफी अधिक कीमत होने पर घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं होनी चाहिए और चीन जन. गण. के विरुद्ध विद्यमान पाटनरोधी शुल्क के उपचारात्मक प्रभावों के साथ समझौता नहीं होना चाहिए।
- याचिकाकर्ता चीन जन. गण. से संबद्ध सामानों के बड़े आयातक हैं और इसीलिए घरेलू उद्योग होने के लिए उनके दावों की जांच किए जाने की आवश्यकता है – इस दावे के संबंध में कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है।

54. उत्तर में घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि:

- चीन से** आयातों की पहुँच कीमत थाइलैंड से आयातों की पहुँच कीमत से कम होने के संबंध में उत्तरदाताओं ने चीन से ग्लास फाइबर की सभी किस्मों के आयातों की पहुँच कीमत पर विचार किया है, केवल सीएसएम पर नहीं। इसके अतिरिक्त, डीजीसीआईएंडएस के अनुसार इन आयातों के लेन-देन बार ब्यौरे उत्पाद विवरण से यह दर्शाएंगे कि काफी आयात हैं और वे बी और सी ग्रेड के उत्पादों के हैं। थाइलैंड से आयातों की पहुँच कीमत जहाँ तक ए ग्रेड की सामग्री का संबंध है, चीन से आयातों की पहुँच कीमत से वास्तविक रूप से कम हैं।
- यहाँ तक कि जब याचिकाकर्ता बाजार में बी और सी ग्रेड के उत्पाद की बिक्री करता आ रहा है तो बिक्री कीमत (याचिकाकर्ता की) उतनी कम नहीं है जितनी इन लेन-देनों में सूचित की जा रही है। यह स्पष्ट रूप से विभिन्न शुल्कों से बचने/कम बीजक बनाने का मामला प्रतीत होता है।
- कुल आयातों में चीन का बाजार हिस्सा 85 प्रतिशत से घटकर 37 प्रतिशत हो गया जबकि थाइलैंड का बाजार हिस्सा केवल 3 प्रतिशत से बढ़कर 49 प्रतिशत हो गया। अतः प्रश्न यह है कि निर्यातक भारत में अपने उत्पादों की बिक्री करने और इतना अधिक अपना बाजार हिस्सा बढ़ाने में कैसे सक्षम हैं, यदि थाइलैंड की कीमतें चीन की कीमतों से बहुत अधिक हैं, जैसा कि उत्तरदाता द्वारा दावा किया गया है।

55. प्राधिकारी ने आयात आंकड़ों की जांच की है और विवरण एवं उत्पाद विवरण के आधार पर नोट करते हैं कि चीन और थाइलैंड से आयातित सीएसएम के ग्रेडों में अंतर है। आयात आंकड़े निम्नलिखित दर्शाते हैं:

	चीन जन. गण.			थाइलैंड		
ग्रेड	मूल्य (रु.)	मात्रा (किग्रा)	दर (रु./किग्रा)	मूल्य (रु.)	मात्रा (किग्रा)	दर (रु./किग्रा)
सीएसएम ए ग्रेड	8,22,82,100	8,37,283	98	61,58,57,226	60,73,793	101
सीएसएम अन्य ग्रेड	12,41,88,775	42,07,010	30	6,37,42,776	7,56,076	82
कुल	20,64,70,875	50,44,293	41	67,96,00,002	68,29,869	100

56. यह नोट किया जाता है कि चीन जन. गण. से 83 प्रतिशत आयात कई घटिया ग्रेडों के सीएसएम का है जिससे समग्र रूप में पहुँच मूल्य प्रभावित हो रहा है।
57. उपचारात्मक उपायों को कम करने के संबंध में एक महत्वपूर्ण निर्धारण आयातों की तुलना में घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से की जांच है। पाटनरोधी शुल्क का एक आशय याचिकाकर्ता के घरेलू बाजार हिस्से का कोई भी अनुचित ह्रास रोकना है। बाजार हिस्से के संबंध में प्राधिकारी ने निम्नलिखित तालिका में भारत में सीएसएम की मांग में बाजार हिस्से में प्रवृत्तियों की जांच की है।

विवरण	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17
सीएसएम के आयातों की मात्रा (मी. टन)				
चीन	5,093	4,676	4,837	5,226
थाइलैंड	162	2,182	5,775	6,854
अन्य देश	740	2,385	3,500	1,911
घरेलू उद्योग बिक्री	***	***	***	***
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री	2,283	2,423	2,145	2,145
कुल मांग	***	***	***	***
सीएसएम का मांग में बाजार हिस्सा				
चीन	***	***	***	***
थाइलैंड	***	***	***	***
अन्य देश	***	***	***	***
घरेलू उद्योग	***	***	***	***
अन्य भारतीय उत्पादक	***	***	***	***

58. उपर्युक्त तालिका से यह देखा जाता है कि जबकि एक तरफ घरेलू उद्योग को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करने वाली काफी कीमत कटौती है तो दूसरी ओर घरेलू उद्योग और चीन जन. गण. से प्रत्यक्ष रूप से निर्यातों, दोनों के बाजार हिस्से, दोनों में गिरावट आई है जबकि थाइलैंड के बाजार हिस्से में गिरावट आई है। संचयी रूप से चीन जन. गण. का बाजार हिस्सा और थाइलैंड से सीएसएम के निर्यातों का हिस्सा बढ़ा है। अतः यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि लागू उपायों के उपचारात्मक प्रभाव को मात्रा और कीमत, दोनों दृष्टि से कम किया जा रहा है।

छ. प्रकटन पश्चात टिप्पणियां

छ.1 घरेलू उद्योग के विचार

59. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए प्रकटन पश्चात अनुरोध निम्नलिखित हैं:

- क. पूरक प्रश्नावली के निर्यातकों के उत्तर का अगोपनीय रुपांतर सार्वजनिक फाइल में नहीं रखा गया था जो पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(7) और 09 जनवरी, 2012 की व्यापार सूचना संख्या 01/2012 का उल्लंघन है।
- ख. निर्यातकों को जारी सत्यापन रिपोर्ट के अगोपनीय रुपांतर, निर्यातक के साथ किए गए पत्राचार के अगोपनीय रुपांतर और अधिकारी द्वारा दायर सूचना के लिए अनुरोध।
- ग. वर्तमान मामला नियम 25(1) के तहत नहीं आता बल्कि नियम 25(3) के तहत आता है। प्राधिकारी यह भी पाते हैं कि विचाराधीन उत्पाद थाइलैंड के माध्यम से निर्यात किया जा रहा है और निर्यातक द्वारा प्रवचना की परिपाटी अपनाई जा रही है।
- घ. इस मामले को नियम 25(1) के तहत आने के लिए कानून में अपेक्षा है कि असेंबल न किए गए रूप में भारत में आयातित किए जा रहे अथवा भारत में परिष्कृत किए जा रहे विचाराधीन उत्पाद तथा ऐसे असेंबल न किए गए और अपरिष्कृत स्वरूप पाटनरोधी शुल्क के अध्वधीन नहीं है।
- ङ. सीएसएम ग्लास फाइबर का एक असेंबल न किया हुआ अपरिष्कृत अथवा अपूर्ण स्वरूप नहीं है बल्कि यह स्वयं में विचाराधीन उत्पाद है। विचाराधीन उत्पाद एआर थाइलैंड में आयातित किया जा रहा है और सीएसएम के रूप में विचाराधीन उत्पाद थाइलैंड से निर्यात किया जा रहा है। एआर विचाराधीन उत्पाद एक असेंबल न किया हुआ, अपरिष्कृत अथवा अपूर्ण स्वरूप नहीं है बल्कि यह स्वयं में विचाराधीन उत्पाद है।
- च. नियम 25(1) के तहत कानून में अपेक्षा है कि प्रवचना किए जा रहे असेंबल न किए गए, अपरिष्कृत सामानों को पाटनरोधी शुल्क का भाग नहीं होना चाहिए। अतः उन असेंबल न किए गए, अपरिष्कृत सामानों पर शुल्क बढ़ाया जाता है।

- विचाराधीन उत्पाद और जांचाधीन उत्पाद में अंतर है – विचाराधीन उत्पाद वह उत्पाद है जिस पर पाटनरोधी शुल्क लग रहा है और जांचाधीन उत्पाद वह उत्पाद है जिस पर इस समय पाटनरोधी शुल्क नहीं लग रहा है और उस पर शुल्क बढ़ाए जाने की आवश्यकता है।
- छ. यदि किसी विचाराधीन उत्पाद को स्वयं ही पीसीएन स्वरूप में परिवर्तन करके अथवा परिवर्तन किए बिना तीसरे देश के माध्यम से (वर्तमान जांच में मामले की तरह) निर्यात किया जाता है तो वह पाटनरोधी नियमावली के नियम 25(1) के तहत नहीं आ सकता। एआर और सीएसएम केवल विचाराधीन उत्पाद (अलग-अलग पीसीएन) के अलग-अलग स्वरूप हैं और भिन्न वस्तु नहीं हैं। नियम 25(1) प्रवचना के लिए उसे भिन्न वस्तु होना चाहिए न कि विचाराधीन उत्पाद का भिन्न पीसीएन/स्वरूप।
- ज. भारतीय प्राधिकारियों और अन्य प्राधिकारियों द्वारा कई मामलों में नियम 25(1) के तहत प्रवचना शुल्क जांचाधीन उत्पादों पर बढ़ाया गया था जो विचाराधीन उत्पाद से भिन्न था।
- झ. नियम 25(3) के तहत यह सिद्ध करने की आवश्यकता है कि विचाराधीन उत्पाद उन निर्यातकों अथवा उत्पादकों अथवा देश के माध्यम से भारत में आयात किया जाता है जो पाटनरोधी शुल्क के अध्यक्षीन नहीं हैं। ऐसे देश से उत्पाद के आयात में विचाराधीन उत्पाद आता है और उस देश में आयात भी विचाराधीन उत्पाद है। यह अवास्तविक है कि क्या संबद्ध देश में निर्यातक पाटनरोधी शुल्क लगने वाले उत्पादकों/निर्यातकों से संबंधित है अथवा संबंधित नहीं है।
- ञ. विचाराधीन उत्पाद सीएसएम का भारत में थाइलैंड से आयात किया जाता है। नियम 25(3) में वह स्थिति भी शामिल है जिसमें कुछ प्रचालन तीसरे देश में किए जाते हैं और अंततः यह विचाराधीन उत्पाद ही है जो उस तीसरे देश से भारत में आयात किया जा रहा है। ऐसी स्थिति में मूल्यवर्धन की आवश्यकता नहीं होती। ऐसी स्थिति में उत्पाद को तीसरे देश के मूल के रूप में भी घोषित किया जा सकता है अथवा नहीं किया जा सकता है। हैंड पैलेट ट्रक और उनके अनिवार्य पुर्जों के संबंध में यूरोपीय संघ की प्रवचना जांच का संदर्भ दिया जाता है।
- ट. चीन से आयात बी और सी ग्रेडों के नाम पर काफी कम मूल्य के आयातों के कारण हुए हैं जिससे पाटनरोधी शुल्क अनावश्यक हो गया।
- ठ. नियम 25(3) के तहत लदान और प्रवचना परिपाटी में अंतर है। लदान के मामले, जहां उत्पादों के मूल में कोई परिवर्तन नहीं होता, मूल के देश तथा निर्यात के देश के रूप में शुल्क तालिका के तहत पहले ही शामिल हैं। तथापि, नियम 25(3) उस स्थिति को ध्यान में रखता है जहां उत्पाद का कुछ प्रसंस्करण किया जाता है और मूल देश परिवर्तन करता है। प्रवचना के तीसरे रूप के संबंध में यूरोपीय संघ के जांच परिणामों पर विश्वास किया जाता है जिनमें स्पष्ट रूप से दिया गया है कि "चाहे तीसरे देश के मूल के रूप में घोषित हो अथवा न हो"।
- ड. शुल्क के यथा मूल्य रूप में निर्यातक कम मूल्य निर्धारण का प्रयोग करके और शुल्कों से बचकर शुल्क का लाभ लेते हैं जो वर्तमान मामले में भी हो रहा है। याचिकाकर्ता ने उसके लिए अलग कार्रवाई की है। सीमा शुल्क प्राधिकारियों के ध्यान से बचने के लिए आयातक बी/सी ग्रेड के रूप में विवरण सूचित कर रहे हैं।
- ढ. यद्यपि, भारतीय सीमा शुल्क सीएसएम की काफी कीमतें दर्शाता है, तथापि, चीन सीमा शुल्क में सूचित एफओबी कीमत भारत में सूचित सीआईएफ आयात कीमत से काफी अधिक है। यह स्पष्ट रूप से सिद्ध करता है कि भारतीय सीमा शुल्क में सूचित कीमतें पूरी तरह से कम बीजक पर हैं और इसीलिए उन पर विश्वास नहीं किया जा सकता।
- ण. मूल तथा निर्णायक समीक्षा जांचों, दोनों में चीन के निर्यातकों ने निर्दिष्ट प्राधिकारी को उत्तर दिए और उन्हें उनकी प्रश्नावली के उत्तरों के आधार पर अलग-अलग मार्जिन यथा पाटनरोधी शुल्क अवार्ड किए गए। सहयोगी निर्यातकों के संबंध में पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन उनकी प्रश्नावली के उत्तर के आधार पर था। एक निर्यातक ने ऑफग्रेड के संबंध में तर्क दिया; तथापि, यह उल्लेख किया कि भारत में निर्यातित अपशिष्ट की मात्रा निर्यातकों द्वारा किए गए कुल निर्यातों के 2 प्रतिशत से कम थी। अतः यह नहीं कहा जा सकता कि निर्णायक समीक्षा शुल्क बी/सी ग्रेड के आयातों पर लगाए गए थे।
- त. औचित्य अन्यथा आर्थिक, प्रतिस्थापन होने के समय उठने वाले पाटनरोधी उपायों को छोड़कर नया महत्वपूर्ण कारक है।
- थ. साइनो – थाई रेयांग इंडस्ट्रियल पार्क की स्थापना 2006 में ही की गई थी और यह समझना कठिन है कि शुल्क लगाए जाने के बाद ही याचिका 2012 में क्यों की गई, औद्योगिक पार्क के लाभ लेने के लिए थाइलैंड में सीएसएम के संयंत्र की स्थापना की क्यों सोची गई।
- द. थाई कंपनी द्वारा लिए जा रहे लाभों की याचिकाकर्ता द्वारा मात्रा दी गई है। लिए जा रहे लाभ प्रकृति में पर्याप्त नहीं हैं और वे कुल 3-4 प्रतिशत ही हैं। चीन में उत्पादक उन्हें चीन में उपलब्ध 10 प्रतिशत सब्सिडी कभी नहीं लेने देगा और केवल 3-4 प्रतिशत सब्सिडी के लिए थाइलैंड में निवेश कभी नहीं करेगा, यदि 47 प्रतिशत पाटनरोधी शुल्क के भुगतान से बचना न हो।
- ध. थाई कंपनी ने अपनी वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से यह भी स्वीकार किया है कि "हम थाइलैंड में अपने घरेलू ग्राहकों को अच्छी सेवा दे सकते हैं और पूरे विश्व में विशेषकर उन क्षेत्रों में जहां चीन में निर्मित सीएसएम के लिए पाटनरोधी कर जोड़ने की आवश्यकता है, हमारे सभी ग्राहकों को सेवा दे सकते हैं", जिसे बाद में हटा दिया गया था।

- न. यूरोपीय संघ ने ग्लास फाइबर विनिर्माता के लिए चीन में उपलब्ध सभी सस्त्रियों को प्रतिस्तुलनकरणीय माना है और यूरोपीय अधिकारियों द्वारा 10.3 प्रतिशत सस्त्रिडी मार्जिन परिकलित किया गया था।
- प. चीन में ही उपलब्ध इन लाभों को देखते हुए यह विश्वास करना कठिन है कि चीन से कोई कंपनी आर्थिक लाभों के लिए चीन से बाहर जाएगी।
- फ. यदि थाइलैंड में संयंत्र की स्थापना के लिए कोई आर्थिक औचित्य होता, तो अन्य उत्पादक भी थाइलैंड में संयंत्र स्थापित कर सकते थे। तथापि, यह केवल वीबो ही है जिस पर 47 प्रतिशत पाटनरोधी शुल्क लग रहा था और उसने ऐसे शुल्कों के भुगतान से बचने के लिए थाइलैंड में संयंत्र की स्थापना की है।
- ब. एसीएम चोपड स्ट्रैंड मैट्स और ग्लास ओवन रोविंग्स, दोनों का विनिर्माण करता है। ग्लास ओवन रोविंग्स कुछ नहीं है बल्कि इंटरवीविंग डायरेक्ट रोविंग द्वारा बनाया गया एक द्विनिर्देशात्मक फैब्रिक है। इसे एक मेस फैब्रिक भी कहा जा सकता है। यूरोपीय संघ ने थाइलैंड से मेस फैब्रिक के आयातों के विरुद्ध प्रवंचनारोधी जांच की है और चीन के ग्लास फैब्रिक का पाटनरोधी शुल्क थाइलैंड के मेस फैब्रिक पर बढ़ाया है।
- भ. यूरोपीय संघ ने पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के अलावा, औचित्य, आर्थिक अथवा अन्यथा के संबंध में उल्लेख किया है कि संबंधित उत्पाद पर लागू उपायों से बचने के अलावा लदान के लिए कोई आर्थिक औचित्य नहीं है।
- म. थाइलैंड से यूरोपीय संघ को यूरोपीय संघ में कुल मांग का केवल 0.41 प्रतिशत निर्यात है। अतः थाइलैंड से निर्यात पाटनरोधी शुल्क/सस्त्रिडीरोधी शुल्क के उपचारात्मक प्रभाव को कम करने के लिए पर्याप्त नहीं है।
- य. यूरोपीय संघ के 24 अप्रैल, 2017 के जांच परिणाम के अनुसार, अन्य देशों (चीन, मलेशिया, मिश्र, नॉर्वे और टर्की के अलावा) के हिस्से में यूरोपीय संघ में मांग का केवल 8 प्रतिशत है। इस 8 प्रतिशत के हिस्से में थाइलैंड और शेष विश्व शामिल है। इतने कम निर्यात को पाटनरोधी शुल्क/सस्त्रिडीरोधी शुल्क के उपचारात्मक प्रभावों को कम करने के लिए काफी नहीं माना जा सकता।
- कक. जिस कीमत पर एसीएम ने एआर की खरीद की है, उसे इन कारणों से एसीएम की उत्पादन लागत के निर्धारण के लिए स्वीकार नहीं किया जा सकता, (i) उपर्युक्त एआर कीमत पर पाटित/क्षतियों के रूप में पहले ही विचार कर लिया गया है और इन आयातों को 47 प्रतिशत की दर से पाटनरोधी शुल्क के अध्यधीन रखा जा रहा है, (ii) निर्दिष्ट प्राधिकारी एक ओर कीमत को अनुचित रूप से मान नहीं सकते और दूसरी ओर उसे अपना नहीं सकते, (iii) गैर-बाजार अर्थव्यवस्था से एआर की क्रय कीमत को निर्दिष्ट प्राधिकारी और सेसटेट के विगत निर्णय के संदर्भ में नहीं माना जा सकता, (iv) निर्दिष्ट प्राधिकारी मामला दर मामला आधार पर उसी मुद्दे पर अलग-अलग निर्धारण नहीं कर सकते। एसीएम द्वारा सूचित की गई एआर की खपत कीमत विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन और बिक्री से जुड़ी लागत को पर्याप्त रूप से नहीं दर्शाती।
- खख. थाइलैंड से यूरोपीय संघ को निर्यात पाटनरोधी शुल्क/सस्त्रिडीरोधी शुल्कों के उपचारात्मक प्रभावों को कम करने के लिए पर्याप्त नहीं है।
- गग. एसीएम ने जान बूझकर प्रवंचनारोधी जांच के परिणामों को प्रभावित करने के लिए असंबद्ध कंपनियों से मात्र 10 प्रतिशत की खरीद की क्योंकि यह जांच पिछले 2 वर्षों से लंबित थी। ऐसी कोई संभावना नहीं है कि जब 4 संबंधित कंपनियां चीन में एआर का निर्माण कर रही हैं तो एसीएम असंबद्ध कंपनी से एआर की खरीद कर रही हो।
- घघ. थाइलैंड से एसीएम की प्रवंचना के कारण चीन जन. गण. के विरुद्ध ग्लास फाइबर पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क का उपचारात्मक प्रभाव कम हुआ है।
- डड. याचिकाकर्ता ने तीसरे देश से विचाराधीन उत्पाद का आयात उचित कीमत पर किया है न कि संबद्ध देश से पाटित कीमतों पर। याचिकाकर्ता के आयातों को तथाकथित आयातों के संबंध में देखा जाना चाहिए न कि तीसरे देश से आयातों के संबंध में। बिरला एरिक्सन लि. बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी, 2001 (127) ई.एल.टी. 363 (ट्रि. – डेल.) का संदर्भ दिया जाता है।
- चच. यूरोपीय संघ ने अब तक कई जांचें की हैं और सामान्य परिपाटी उपचारात्मक प्रभाव कम होने का विश्लेषण करने के लिए कम कीमत पर बिक्री, मांग में बाजार हिस्सा और आयात में बाजार हिस्सा जैसे मानदंडों की जांच करने की है।
- छछ. विगत में निर्दिष्ट प्राधिकारी ने बाजार हिस्से और कीमत कटौती के मानदंडों पर ही विचार किया है।
- जज. वर्तमान मामले में याचिकाकर्ता ने कुल आयातों में बाजार हिस्से, कुल मांग में बाजार हिस्से और कीमत कटौती के संबंध में सूचना प्रदान की है जो निर्दिष्ट प्राधिकारी और अन्य प्राधिकारियों द्वारा अपनाई जा रही परिपाटी के अनुरूप है।

छ.2 एसीएम के विचार

60. एसीएम द्वारा किए गए प्रकटन पश्चात अनुरोध निम्नलिखित हैं:

- क. प्रकटन विवरण में मूल्य वर्धन के पहलू के संबंध में कोई मात्रा और आंकड़े नहीं दिए गए हैं। निर्यातक द्वारा पाटनरोधी शुल्क की प्रवंचना के लिए 35 प्रतिशत से कम होना है और ऐसे आंकड़ों का उल्लेख न करने से निर्यातक के टिप्पणी करने के अधिकार को प्रभावित करता है। नियम 25(1)(ख)।
- ख. यह साक्ष्य कि पाटनरोधी शुल्कों के उपचारात्मक प्रभाव कम हुए हैं, व्यापार के पैटर्न में परिवर्तन पर आगे कोई जांच करने के लिए पहले सिद्ध किए जाने की आवश्यकता है अथवा औचित्य बढ़ाए जाने की आवश्यकता है। इंडोलिनोन प्रवंचना संबंधी

अंतिम जांच परिणाम में उल्लेख है कि जांच कीमत और मात्रात्मक प्रभाव का मूल्यांकन करके नियम 11 और अनुबंध-II के अनुसार की जाए।

- ग. उत्पादन, बिक्री, क्षमता, क्षमता उपयोग, निर्यात, मालसूची स्तर और कीमत कटौती तथा कम कीमत पर बिक्री के स्तरों जैसे कारकों की ही जांच की गई थी जो पाटनरोधी शुल्क के उपचारात्मक प्रभावों को कम करना सिद्ध करने के लिए पूरी तरह अपर्याप्त है। चीन से सीएसएम के आयात बढ़े हैं जो यह दर्शाते हैं कि थाइलैंड से बढ़ते हुए आयातों का भारत में चीन से सीएसएम के व्यापार पैटर्न से कोई जुड़ाव नहीं है। सभी कीमत और मात्रात्मक प्रभाव की पूरी जांच पाटनरोधी शुल्क के उपचारात्मक प्रभावों को कम करना सिद्ध करने के लिए किए जाने की आवश्यकता है।
- घ. निर्यातक का सामान्य मूल्य, पहुँच कीमत, निर्यात आदि जैसी गोपनीय सूचना का नियमानुसार गोपनीयता के दावों के बावजूद प्रकटन विवरण में उल्लेख किया गया है। अनुरोध है कि अंतिम जांच परिणाम में उस सूचना को गोपनीय माना जाए।
- ङ. प्रकटन विवरण के समग्र अवलोकन से आरोप लगाए गए अनुसार कोई प्रवृत्ति स्थापित करने के लिए रिकार्ड में कुछ नहीं है।

छ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

61. हितवद्ध पक्षकारों से प्रकटन पश्चात अनुरोध प्राप्त हो गए हैं। उनमें उठाए गए मुद्दों को पहले ही जांच के दौरान पूर्व में उठा दिया गया है और उनका उचित रूप से समाधान कर दिया गया है। तथापि, स्पष्टता के लिए हितवद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों की निम्नलिखित रूप में जांच की जा रही है:

- क. जहां तक मूल्यवर्धन का संबंध है, प्राधिकारी घबराते हैं कि परिवर्तित रूप अर्थात् सीएसएम जिसका वास्तव में थाइलैंड से निर्यात किया जाता है, पर भी भारत में चीन से आयात किए जाने पर पाटनरोधी शुल्क लगता है। पाटनरोधी शुल्क लगाने वाली भारतीय सीमा शुल्क अधिसूचना वही है और एआर और सीएसएम दोनों को अलग-अलग स्वरूप के ग्लास फाइबर मानती है तथा ठीक उसी स्तर का पाटनरोधी शुल्क दोनों रूपों पर लगाती है। इस प्रकार, प्राधिकारी का यह मत है कि नीचे दिए गए अनुसार पाटनरोधी नियमावली के नियम 25(3) में वर्णित प्रवृत्ति का स्वरूप इस मामले पर व्यापक रूप से उपयुक्त बैठता है और इसीलिए उपर्युक्त नियम के तहत किसी मूल्यवर्धन की आवश्यकता नहीं है।
- ख. जहां तक "घटते हुए उपचारात्मक प्रभाव" के निर्धारण के संबंध में अनुरोधों का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि नियम 26(4) के तहत प्राधिकारी को केवल यह निर्धारित करना अपेक्षित है कि क्या पाटनरोधी शुल्क का उपचारात्मक प्रभाव कम किया जा रहा है। विस्तृत वास्तविक क्षति विश्लेषण करने का कोई आशय नहीं है। यह मत चीन जन. गण., कोरिया, यूरोपीय संघ, दक्षिण अफ्रीका, ताइवान, थाइलैंड और यूएसए के मूल के अथवा वहां से निर्यातित स्टेनलेस स्टील के कोल्ड रोलड फ्लैट उत्पादों के आयात से संबंधित प्रवृत्ति जांच के मामले में प्राधिकारी के विगत निर्णय द्वारा सुदृढ़ हो जाता है। संगत उद्धरण निम्नलिखित है:

"... इस जांच का प्राथमिक उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि हितवद्ध पक्षकार किसी प्रकार की प्रवृत्ति परिपाटी में शामिल होकर केंद्र सरकार द्वारा लगाए गए पाटनरोधी शुल्कों के प्रभाव को नकार अथवा कम नहीं कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त, प्रवृत्ति से संबंधित नियमावली में प्रवृत्तिनारोधी जांचों के लिए नियम 11 अथवा अनुबंध-II के स्पष्ट प्रावधान नहीं हैं।"

ज. निष्कर्ष

62. घरेलू उद्योग और विभिन्न हितवद्ध पक्षकारों के तर्कों की जांच करने और उपर्युक्त विश्लेषण के आधार पर प्राधिकारी निष्कर्ष निकालते हैं कि:
- क. चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित ग्लास फाइबर के आयातों पर 01 सितंबर, 2016 की सीमा शुल्क अधिसूचना संख्या 48/2016-सीमा शुल्क द्वारा लगाया गया पाटनरोधी शुल्क पाटनरोधी नियमावली के नियम 25(3) के अनुसरण में मैसर्स एशिया कम्पोजिट मैटेरियल्स (थाइलैंड) कं. लि. से सीएसएम के निर्यातों के माध्यम से प्रवृत्त किया गया था।
- ख. जांच की अवधि के दौरान सीएसएम का निर्यात पाटित कीमतों पर किया गया है।
- ग. थाइलैंड से सीएसएम के निर्यातों से चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित ग्लास फाइबर पर 01 सितंबर, 2016 की सीमा शुल्क अधिसूचना संख्या 48/2016-सीमा शुल्क द्वारा लगाए गए मौजूदा पाटनरोधी उपाय कम हुए हैं।

सिफारिश

63. प्राधिकारी उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित शुल्क तालिका के कॉलम 9 में दर्शाया गया प्रतिशत लागू कर निकाली गई राशि पर ग्लास फाइबर के चोण्ड स्ट्रैंड मैट पर 01 सितंबर, 2016 की सीमा शुल्क अधिसूचना संख्या 48/2016-सीमा शुल्क द्वारा चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से आयातित ग्लास फाइबर पर मौजूदा पाटनरोधी शुल्क बढ़ाने की सिफारिश करते हैं:

- क. पाटनरोधी शुल्क वित्त मंत्रालय द्वारा उनकी अधिसूचना की तारीख से लागू होगा।
- ख. पाटनरोधी शुल्क की वैधता 01 सितंबर, 2016 की सीमा शुल्क अधिसूचना संख्या 48/2016-सीमा शुल्क के माध्यम से फाइबर ग्लास पर लगाए गए शुल्क की अवधि तक होगी।

शुल्क तालिका

क्रम सं.	शीर्षक	वस्तुओं का विवरण	विनिर्देशन	मूल देश	निर्यातक देश	उत्पादक	निर्यातक	सीआईएफ मूल्य का %
1	2	3	4	5	6	7	8	9
8	7019	ग्लास चोपड स्ट्रैंड्स मैट्स (सीएसएम)	ग्लास चोपड स्ट्रैंड्स मैट्स (सीएसएम)	थाइलैंड	थाइलैंड	एशिया कम्पोजिट मैटेरियल्स (थाइलैंड) कं. लि.	एशिया कम्पोजिट मैटेरियल्स (थाइलैंड) कं. लि.	47.15
9.	7019	ग्लास चोपड स्ट्रैंड्स मैट्स (सीएसएम)	ग्लास चोपड स्ट्रैंड्स मैट्स (सीएसएम)	थाइलैंड	थाइलैंड	एशिया कम्पोजिट मैटेरियल्स (थाइलैंड) कं. लि.	कोई अन्य	47.15

64. इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए आयातों का पहुँच मूल्य सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) के तहत सीमा शुल्क द्वारा निर्धारित निश्चरणीय मूल्य होगा और इसमें उपर्युक्त अधिनियम की धारा 3, 3क, 8ख, 9 और 9क के तहत शुल्कों को छोड़कर सभी सीमा शुल्क शामिल हैं।
65. इस अंतिम जांच परिणाम के कारण केंद्र सरकार के आदेश के विरुद्ध कोई अपील सीमा प्रशुल्क अधिनियम के अनुसार सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपील अधिकरण के समक्ष की जाएगी।

सुनील कुमार, अपर सचिव एवं महानिदेशक

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

Department of Commerce

(Directorate General of Trade Remedies)

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th July, 2018

FINAL FINDINGS

Case No AC-02/2017

Subject: Anti- circumvention investigation concerning the alleged circumvention of anti-dumping duty imposed on the imports of “Glass Fibre”, originating and exported from China PR vide Customs Notification No. 48/2016- Customs dated 1st September, 2016.

No. 7/25/2017-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and thereafter (hereinafter referred as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, as amended from time to time (hereinafter referred as the Rules), the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) initiated an antidumping investigation for imposition of anti-dumping duty on imports of certain glass fibre and articles thereof, originating in or exported from the China PR vide initiation notification dated 8th January 2010. The Authority issued the Preliminary Findings on 2nd June 2010 and provisional duties were imposed vide Customs Notifications dated 14th July, 2010. The Authority issued Final Findings on 6th January 2011 and definitive duties were imposed on 4th March 2011. The Authority thereafter initiated a Mid-term review investigation against imports of subject goods from subject country on 19th September 2013 and on the basis of the recommendation of the Authority in its final finding dated 10th February, 2014, micro Glass Fibre with fibre diameter in the range of 0.3 - 2.5 microns was excluded from the ambit and scope of the antidumping duty

recommended, vide Customs Notification dated 9th May, 2014. Whereas, the Designated Authority, conducted a sunset review investigation and issued Final Findings vide Notification No 15/10/2015-DGAD dated 6th July, 2016, recommending continuation of anti-dumping duty on the imports of Glass Fibre originating in or exported from China PR, and the Ministry of Finance, vide Customs Notification No. 48/2016-Customs (ADD) dated 1st September, 2016, extended the antidumping duty on the imports of Glass Fibre, originating in or exported from China PR

1. AND WHEREAS, in terms of the Section 9A of the Customs Tariff Act 1975, read with Rule 25 of the Anti-Dumping Rules, M/s Owens-Corning (India) Pvt. Ltd. (hereinafter referred to as the Petitioner or the Domestic Industry), a major manufacturer of Glass Fibre in India, has filed a petition before the Authority alleging that Chopped Strand Mats or CSM, one of the types of Glass Fibre, which is the product subject to antidumping duty vide Customs Notification No. 48/2016-Customs (ADD) dated 1st September, 2016, is being imported from Thailand and such imports constitute circumvention of ADD earlier imposed on imports from China. The petitioner contended that Asia Composite Materials (Thailand) Co., Ltd produce glass CSM (from assembled glass roving or AR, one of the forms of glass fibre) imported from China and then exports it to India to circumvent the anti-dumping duty imposed on the imports of Glass Fibre, originating in or exported from China PR.

2. AND WHEREAS, in view of the duly substantiated application filed by the petitioner under Rules 26 (1), the Authority initiated investigations vide notification no 7/25/2017-DGAD dated 12th February, 2018 to determine the existence and effect of the alleged circumvention of the ADD levied and to consider recommendation of extension of anti-dumping duty on imports of glass fibre to imports of CSM from Thailand.

A. Procedure

3. The procedure described below has been followed with regard to the investigation:

- i. The Authority issued notification vide notification no. 7/25/2017-DGAD dated 12th February, 2018 initiating anti-circumvention investigation, which was published in the Gazette of India.
- ii. The Authority sent copy of the initiation notification to the Embassies of China PR and Thailand in India, known exporters of product under consideration from Thailand and known importers of product under consideration in India, as per information available in the petition.
- iii. The Authority sent questionnaires to the following exporters/producers of the product under consideration from Thailand and China and requested them to file their responses in the prescribed questionnaire and make their views known in writing within the time limit prescribed. Copies of the letter and questionnaires sent to the exporters were also sent to Embassy of China and Thailand along with a list of known exporters/producers, with a request to advise the exporters/producers from China and Thailand to respond to the Authority within the prescribed time.
 - a. Asia Composite Material Co. Ltd, Thailand
 - b. Sichuan Weibo New Material, China
- iv. In response to the initiation of the subject investigation, none of the producers/exporters from China PR have responded by filing questionnaire response. Following producer/exporter from Thailand filed questionnaire response, claiming itself as the sole producer-exporter of CSM in Thailand.
 - a. Asia Composite Material Co. Ltd, Thailand (also referred to hereinafter as ACM).
- v. A copy of the non-confidential version of the application filed by the petitioner was sent to the producer/exporters in China and Thailand, and Embassies of China and Thailand. A copy of the non-confidential version of the application was also made available to the interested parties, on request, through public file in accordance with Rules 6(3) supra.
- vi. Questionnaires were sent to the following known importers/users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with the Rules:
 - a. Kemrock Industries & Exports Ltd.
 - b. Pentair Water India P Ltd
 - c. Amiantit Fibreglass India Limited

- d. Sundaram Brake Linings Ltd
 - e. Graphite India Limited
 - f. Indore Composite Pvt. Ltd.
 - g. Aksh Optifibre Limited
 - h. Balaji Fibre Reinforcement Pvt. Ltd
 - i. O. K. Glass Fibre Limited
 - j. Jushi (India) FRP Accessories Pvt. Ltd
 - k. Sky Fibreglass Solutions Pvt. Ltd.
 - l. Aarvi Composites Pvt. Ltd.
- vii. In response to the initiation of the subject investigation, none of the importers of the product under consideration have responded to initiation, or filed response to the questionnaire.
- viii. The period of investigation (POI) for the purpose of the present investigation is April, 2016 – March, 2017. The injury investigation period will, however, cover the periods April'2013- March'14, April'2014–March'2015, April'2015-March'2016 and the POI.
- ix. In accordance with Rule 6(6) of the Anti-Dumping Rules, the Authority provided opportunity to the interested parties to present their views orally in a public hearing held on 24th May, 2018. The public hearing was attended by the representatives of domestic industry and M/s Asia Composite Material Co. Ltd. The parties, who presented their views in the oral hearing, were requested to file written submissions and rejoinder thereafter of the views expressed orally.
- x. Exporters, importers other domestic producers and other interested parties who have not responded to the Authority nor supplied information relevant to this investigation, have been treated as non-cooperating.
- xi. Additional questionnaire was issued to Asia Composite Material Co. Ltd, Thailand seeking additional information and/or clarification on the information already filed on 25 April 2018. The responding exporter has filed reply to the additional questionnaire which is considered in the present document.
- xii. Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange for details of imports of subject goods for the past three years, including the period of investigation, which was received by the Authority and relied upon in the present investigation.
- xiii. The submissions made by the interested parties during the course of this investigation have been considered by the Authority, wherever found relevant, in this finding.
- xiv. Verification to the extent deemed necessary was carried out in respect of the information & data submitted by the petitioner at their premises. The Authority also conducted on the spot verification of the data provided by the responding exporter, at their premises.
- xv. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered as confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.
- xvi. Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has considered such parties as non-cooperative and recorded the findings on the basis of the facts available.
- xvii. In accordance with Rule 16 of the Rules Supra, the essential facts were disclosed by the Authority on 13th July, 2018 to the concerned interested parties. Comments were requested by 23rd July, 2018. Comments received on the disclosure statement to the extent considered relevant by the Authority have been considered in this final finding
- xviii. *** represents information furnished by an interested party/any other party on a confidential basis and so considered by the Authority.

B. Product Under Investigation**B.1 Submissions by other interested parties**

4. No submissions have been made by the other interested parties in this regard.

B.2 Views of the Petitioner

5. The domestic industry has made following submissions with regard to the product under consideration

- i. The product under investigation in this case is same as the original product under consideration.
- ii. The duty is being circumvented through imports of Chopped Strands Mat produced and exported by Asia Composite Materials (Thailand) Co., Ltd, Thailand and thereby undermining the remedial effects of the anti-dumping duty imposed.
- iii. The product forming the object of circumvention is “**Chopped Strand Mat (CSM) produced by Asia Composite Materials (Thailand) Co, Thailand**”.
- iv. The subject goods are classified under Chapter 70 of the Customs Tariff Act, 1975 under the Sub-heading 7019. The customs classification is indicative only and in no way binding on the scope of investigation.

B.3 Examination by Authority

6. The product under consideration attracting ADD in India, includes following forms of glass fibre:

- a. *Assembled Glass Rovings (AR),*
- b. *Direct Rovings (DR),*
- c. *Glass Chopped Strands (CS),*
- d. *Glass Chopped Strands Mats (CSM).*

Specifically excluded from the scope of the product under consideration are glass wool, fibre glass wool, fibre glass insulation in wool form, glass yarn, glass woven fabrics, glass fibre fabric, glass woven rovings and chopped strands meant for thermoplastic applications, micro glass fibre used in battery separator, surface mat/ surface veil/ tissue.

7. The product under investigation which is circumvented is glass Chopped Strands Mats (CSM) produced by Asia Composite Materials (Thailand) Co, Thailand.

8. Regarding the production process for CSM, it is noted that Glass fibre is first produced either as Assembled Glass Roving (AR) or as Direct Glass Roving (DR). AR is processed further to produce CSM. The production process of producing AR is described below

9. The production process of producing DR is described below

- a) **Melting:** conveyor sends the mixture of raw material to a high temperature natural gas-fired furnace for melting. The first section receives the raw material batch, where melting occurs, and uniformity is increased, including removal of bubbles. The final section is the forehearth, beneath which is located a series of four to seven bushings that, in the next step, are used to extrude the molten glass into fibers. Large furnaces have several channels, each with its own forehearth.
- b) **Fiberization:** Glass fibre formation, or fiberization, involves a combination of extrusion and attenuation. In extrusion, the molten glass passes out of the forehearth through a bushing made of an erosion- resistant platinum/rhodium alloy with very fine orifices, from 200 to as many as 8,000. Bushing plates are heated electronically, and their temperature is precisely controlled to maintain a constant glass viscosity. Water jets cools the filaments as they exit the bushing at roughly 1204°C/ 2200°F. The bushings are expensive, and their nozzle design is critical to fiberization. Bushing also controls the fibre yield or yards of fibre per pound of glass.
- c) **Coating:** In the final stage, a chemical coating, or size, is applied
- d) **Direct Roving Windings:** individual fibres are pulled directly from the bushing & then winding them into

roving package ready to ship after removing moisture from Ovens.

- e) **Assembled Roving Windings:** Fibre glass roving is prepared by collecting a bundle of strands into a single large strand which is wound into a stable, cylindrical package. This is called Multi end roving process. The process begins by placing a number of oven dried forming cakes into a creel. The ends are then gathered together under tension & collected on a precision roving winder that has constant Traverse to winding ratio & is called way wind.

10. The production process of producing CSM is described below:

- a) **Chopping:** chopping of AR and spreading of the same evenly on a moving conveyor.
b) **Binding:** The binder either as powder or as emulsion (depending on the order received) is spread on the chopped stands and then the same is thereafter baked. The resultant mats are rolled and packed.

11. It is seen that major production process involved in producing glass fibre is in producing AR or DR. Once AR is produced, the production process involved in producing CSM is only incremental. ADD was earlier imposed on imports of these forms as one article, being produced and sold in different forms. The investment details provided by the petitioner also showed that more than 95% of the investment is involved up till the stage of AR.

12. The scope of the product under consideration in the present investigations is limited to exports of CSM by Asia Composite Materials (Thailand) Co, Thailand. The scope of the product under consideration covered under the present circumvention investigations does not include other forms of glass fibre, viz. AR, DR and CS.

13. Asia Composite Materials (Thailand) Co, Thailand stated that they are the sole producer of CSM in Thailand. The scope of the present investigations relates to all imports of CSM from Thailand, whether or not invoiced by Asia Composite Materials (Thailand) Co, Thailand.

C. Domestic Industry/ Standing

C.1 Views of the exporter/other interested parties are as follows:

14. The opposing interested parties have raised following issues with regard to domestic industry

- i. The eligibility of petitioner as domestic industry has not been examined at the time of initiation. Petitioner has admitted that they are related to a party namely OCV (Thailand) Co., Ltd which sells the goods in Thailand. This relationship was not examined by the Authority at all at the time of initiation.
- ii. It is also not clear whether the petitioner has imported the good themselves directly or through third parties. Authority should examine the eligibility of petitioner as domestic industry based on Rule 2 (b) and also as per its consistent practices.
- iii. The petitioner has imported 25,517 MT of “Glass Fibre” during the POI. Further, one of the related company of M/s Goa Glass Fibre Ltd., namely M/s ONS Impex Traders Pvt. Ltd. had imported the subject goods from the subject exporter in Thailand. M/s Goa Glass Fibre Ltd. had supported the previous petition regarding the SSR investigation in 2015/16

C.2 Views of the domestic industry are as follows:

15. The domestic industry has made following submissions with regard to the domestic industry

- i. The Petitioner has a related company in Thailand, namely, OCV (Thailand) Co. Ltd. However, OCV (Thailand) Co. Ltd is not a manufacturer of subject goods in Thailand. It only sells the subject goods in Thailand. The Company has not exported the product under consideration into India.
- ii. The exporter has itself claimed that it is the sole producer of the product under consideration in Thailand and yet the exporter has made this claim. This clearly shows desperate situation with the exporter in impeding the present investigations.
- iii. Rule 2 (b) of the AD Rules clearly states that for determining eligibility, the relationship with the “exporter” or “importers” is required to be seen. The related company has not exported the product under consideration to India.

C.3 Examination by Authority

16. The petition for anti-circumvention investigation and extension of existing ADD on imports of CSM has been filed by M/s Owens-Corning (India) Pvt. Ltd. Rule 26(1) reads as under.

“(1) Except as provided herein below, the designated authority may initiate an investigation to determine the existence and effect of any alleged circumvention of the anti-dumping duty levied under section 9A of the Act, upon receipt of a written application by or on behalf of the domestic industry.”

17. Rule 2(b) of the Anti-Dumping Rules defines domestic industry as under: -

“domestic industry” means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term ‘domestic industry’ may be construed as referring to the rest of the producers”.

18. It is not in dispute that production of petitioner constitutes a major proportion in the Indian production. The Thai exporter has however disputed eligibility of the petitioner to claim status of domestic industry within the meaning of Rule 2(b) on the grounds that the petitioner has a related company in Thailand named OCV (Thailand) Co. Ltd. Asia Composite has not even claimed that this company OCV Thailand is a producer of glass fibre or CSM in Thailand or has exported CSM to India. In fact, Asia Composite Materials (Thailand) Co, Thailand has claimed that they are the sole producer of CSM in Thailand, the product under consideration of the present case. The Authority notes that the existence of relationship between the petitioner and some Thai entity becomes important and relevant only if such Thai company is a producer of the product under consideration of the present case and has exported the same to India. When there is not even a claim of production by such entity and exports to India, it is immaterial whether there is some related entity of the petitioner in Thailand.

19. Regarding import of “Glass Fibre” by the petitioner, the Authority notes that this matter was also examined in the final finding issued following the Sunset Review investigation. Therein, the Authority had concluded that *“...As regards imports by the petitioner company from third countries, the authority notes that these imports are from countries not under investigation. These imports are by the petitioner from their global affiliated producers and therefore under the Rules, authority is required to consider the resale price of the products in order to examine the effect of these imports on the domestic prices. Further, under Rule 2(b), imports of the products from subject countries alone are required to be considered. Imports from third countries are not relevant of the purpose of determining eligibility of the petitioner as a domestic industry.”* Consequently, the standing of the petitioner as the domestic industry was accepted by the Authority.

20. The Authority further notes that the petitioner is not related (either directly nor indirectly) to an exporter of CSM produced in Thailand or an importer of CSM produced in Thailand and imported into India. The Authority notes that the petitioner has not imported the product under investigation from China or Thailand during period of investigation. The applicant, M/s Owens-Corning (India) Pvt. Ltd., is a major producer of the product under consideration in India, commanding about 68% of Indian production and therefore its production constitutes a major proportion of the product under consideration in India within the meaning of Rule 26(1) read with Rule 2(b) of the AD Rules.

D. Existence of Circumvention**D.1 Submissions by Interested Parties**

21. Submissions made by the other interested parties in this regard are as follows:

- i. Initiation is made in violation of Rule 25(3) of AD Rules and therefore is bad in law. Rule 3 of the law is unique and requires what the mandatorily needs to be proved to establish circumvention. It provides consideration of the remedial effect of anti-dumping in terms of the price and/or the quality of like products.
- ii. Asia Composite Materials (Thailand) Co, Ltd is a producer cum exporter of Fiberglass Chopped Strand mat from Thailand.
- iii. The company is producing and selling CSM like any other producer of Glass Fibre and is targeted by the applicant at this juncture as they feel that no dumping and consequent injury can be established against ACM on its exports to India.

- iv. Land has been purchased and civil works to establish the furnace/plant is being taken place and ACM shall be an integrated producer very soon. Thus, ACM has all the credential of a producer of subject goods in Thailand and our exports cannot be put in the bracket of having circumvention effects.
- v. The value addition carried out in ACM's production facility is significantly higher than thresholds set in the AD Rule. Even India in the past has conducted AD investigations wherein domestic industry imported many key raw materials.
- vi. Importing raw material cannot be straight away interpreted as any model to circumvent duties etc. as alleged by the applicant.
- vii. Even if there have been no duties on subject goods exported from China PR to India, still ACM would have come into force as a producer in Thailand during such times and the mere fact that ACM imports its raw materials from other countries including from the related producer in China PR cannot be seen as factor of any alleged circumvention.
- viii. There's no case of circumvention initiated by any Authorities across the world wherein circumvention is alleged since original imposition and anti-circumvention investigation is initiated much after Sunset review or so.
- ix. The CSM offered by ACM has a value addition of more than 35% from a raw material stage to the finished product stage and contentions of the applicant to the contrary are only figments of their imagination.
- x. The grounds of initiation make it clear that the applicant's concerns pertain to the exports to India made by ACM only and effectively the present Anti Circumvention investigation are only against the exports made by ACM from Thailand.
- xi. In the initiation notification the subject line uses the term "originating in and exported from" apparently indicated the export of subject goods by ACM to India.
- xii. Exports of subject goods made by ACM in all legality qualifies as originating in and exported from Thailand itself and any other terminology would amount to uncalled for insinuations, any such usage which prejudices our case may kindly be reconsidered.
- xiii. The application lacks any material evidence to explain how the remedial effects of ADD were undermined. Information of sales to show how market share moved and data on price undercutting alone cannot be relied upon to conclusively opine that the remedial effects of ADD were undermined.
- xiv. In fresh or in review cases only two parameters cannot be sole yardsticks of injury and examination of all parameters of injury. The AD was not imposed to increase sales volume and to ensure negative undercutting alone.
- xv. The applicant ought to have provided complete injury information to establish whether remedial effect of AD duty has undermined. Injury cannot be cherry picked by the applicant. Same was followed in the investigation of imports of Indolinone. In the past cases, the Authority conducted a full-fledged examination of injury and any reason to deviate from such practice is not clear.
- xvi. No injury information is provided by the petitioner in the petition and the sales figure provided by them shows improvement.
- xvii. Applicant has claimed that they continue to suffer injury on account of circumvention, no facts relating to injury has been provided to the Authority.
- xviii. The finding dated 06.07.2016, which is part of POI in the present case, does not show any adverse impact on the performance of the domestic industry, but the alleged petition talks that imports have undermined the remedial effect of ADD.
- xix. Positive price undercutting cannot be a sole ground of price injury. It basically means import price is lower than the NSR of the domestic industry. The petitioner has not proved how price undercutting is undermining the remedial effect of AD duties. The petitioner should have given information on profitability, price suppression/ depression.

- xx. Shift in trade pattern needs to be seen in light of the actual volume trend of imports and in the present case imports of CSM from China PR and also Thailand has increased over the base year. The issue in the context of a circumvention case is not increase in imports per se but shift in import which is not evident in the present case.
- xxi. The selection of POI is not correct as it is a year-old period, a financial year has gone by. The petitioner should have given more recent data.
- xxii. The petitioner did not mention about circumvention in the recently concluded full-fledged sunset review investigation. In fact, it was recorded that imports from third country cannot be cause of injury.
- xxiii. The Authority in SSR investigation did not even took cognizance of imports from Thailand. The petitioner has alleged circumvention right from the year 2012 but has filed petition after 7 years of imposition of original duty in 2012 and the MTR and SSR both were silent on this topic.
- xxiv. ACM is an established producer of PUI in Thailand and is known for its goods. An investment decision in Thailand was taken based on the economic policies of Thailand and it was not to subvert any duties which could not have been a long term or prudent business model for ACM.
- xxv. ACM sourced its raw materials from many producers of raw materials including related party in China PR as investment in roving production was found to be taking more resources initially when ACM was established in Thailand. However, the company remained much focused on its own production of roving in Thailand itself and substantial progresses have been made in establishing a plant to produce roving.
- xxvi. As a short cut arrangement and to misuse the fact that ACM is related to a Chinese producer of PUC, an anti-circumvention petition has been brought on record.

D.2 Views of the Domestic Industry

22. Submissions made by the domestic industry in this regard are as follows

- i. The anti-dumping duty was imposed by India on glass fibre including glass roving (AR, DR, CS, CSM).
- ii. Sichuan Weibo New Material Group Co., Ltd (China) was attracting residual duty which was 40.91% as compared to individual duty of 7.46% in 2012 which was increased to 47% in the sunset review investigation.
- iii. Asia Composite Materials (Thailand) Co., Ltd is the sole producer of glass fibre product under investigation, i.e., CSM in Thailand. It came into existence in 2012 i.e. after imposition of anti-dumping duty against China PR by India and Europe. The circumvented products started entering India in 2012-13.
- iv. Asia Composite Materials (Thailand) Co., Ltd, a branch of Sichuan Weibo New Material Group Co., Ltd (China). The producer i.e., Asia Composite Materials (Thailand) Co., Ltd imports glass rovings from its parent company i.e., Sichuan Weibo New Material Group Co., Ltd, China and converts it into CSM and exports it to India.
- v. The import volumes of circumvented product were not significant in the year 2012-13 and 2013-14 so it did not undermine the remedial effect of the anti-dumping duty to such an extent as it has undermined thereafter.
- vi. The Chinese producer started exporting CSM not directly from China, but indirectly from Thailand, by sending AR to Thailand, so that it can obtain a Thai certificate of origin to avoid antidumping duty.
- vii. The website of Asia Composite Materials (Thailand) Co., Ltd itself declared that they do not have full-fledged production facilities in Thailand. It also declares that the company is the only glass fiber chopped strand mat and woven roving manufacturer in Thailand.
- viii. CSM is the only sub type of glass fibre which requires a two stage processing. Other sub-type of glass fibre attracting anti-dumping duty does not involve two stage processing.
- ix. The manufacturing process from AR to CSM requires low manufacturing facilities. A minimal investment of approximately US\$ 2 to 3 Million (i.e., less than INR 20 crores, as against Rs. 1000 crores required for full-fledged production facilities) is involved in setting up these manufacturing facilities.

- x. Setting up a plant for manufacturing glass fibre involves approx. Rs. 1000 crore investment as compared Rs. 20 crore investments required for setting up CSM plant.
- xi. It takes much lower time to set up CSM plant (4-6 months) as compared to 15 months for full manufacturing set up.
- xii. The manufacturing facilities have been set up in Thailand in view of the FTA concessions that are available to the product under the FTA. The product under investigation attracts zero customs duties in India when imported from Thailand.
- xiii. The exporter has set up a plant in Sino-Thai Rayong Industrial Park which is a Chinese overseas industrial site. The company enjoys several benefits like exemption from corporate income tax, exemption from import duties on imports of plant and machinery, raw material, export benefits, tax exemptions etc. under Investment Promotion Act.
- xiv. Chinese company attracting residual duty established a production facility in Thailand for processing AR to make CSM and exporting CSM into India. Volume of exports of glass fibre from China to Thailand has increased.
- xv. AR is being exported from China to Thailand. AR is being processed into CSM in Thailand. Both AR and CSM are within the scope of the product under consideration attracting ADD in case of imports from China. The responding exporter has already admitted this fact in its response to questionnaire.
- xvi. Imports of CSM from Thailand into India have increased since imposition of anti-dumping duty.
- xvii. Asia Composite Materials (Thailand) Co., Ltd is buying AR from its own affiliates from China. Since AR is subject to ADD in India, the value of AR for the purpose of determination of value addition should be determined after adding the anti-dumping duty that is payable on imports of AR in India.
- xviii. Imports of AR in India the Chinese exporter is attracting ADD at the rate of 47.15%. Had this AR been imported into India, it would have attracted ADD of 47.15%. Since this is the ADD payable on imports of AR in India, no value addition can be determined without adding this ADD.
- xix. The price of AR is required to be considered on the basis of international price of AR. This is the price at which Korea is exporting to India.
- xx. Cost of production of the Chinese producers in any case cannot be considered, considering that the Chinese producers are in a non-market economy country. the exporter has claimed the cost of production as the transfer price, in any case, since the cost of production cannot be adopted, this is additional reason for considering international price for AR.
- xxi. The petitioner has considered the normal value of the original case, after appropriate adjustments and compared the same with the export price of product under consideration from Thailand. The circumvented imports from Thailand are at dumped prices.
- xxii. The cost and price of the responding exporter should not be accepted for determination of normal value because a major raw material is being imported from its affiliate (parent) company in China and the parent company is not working under market economy condition.
- xxiii. The law clearly states that the evidence of remedial effect of anti-dumping duty being undermined has to be seen in terms of price and/or quality. Therefore, the law mandates information, only with respect to price and quality and does not require information with regard to all 14 parameters as prescribed under Annexure II of the AD Rules.
- xxiv. European Union considers parameters (a) Price underselling (b) Market share in demand (c) Market share in imports, while determining whether the circumvention practice has undermined the remedial effect of the anti-dumping duty or not.
- xxv. Designated Authority in past have decided two investigations on circumvention, and in both the investigations they considered two parameters for undermining remedial effect viz. Market share and price undercutting.

- xxvi. Since imposition of anti-dumping duty, the share of Thailand in total imports of CSM has increased whereas share of China in total imports of CSM has declined. Share of other countries have remained similar.
- xxvii. There's change in pattern of trade since the imposition of anti-dumping duty on glass fibre from China and the intention of the Chinese producer to route the CSM exports from Thailand to India by undertaking lower investment in Thailand
- xxviii. Market share of the domestic industry and China has declined and that of Thailand has increased since the imposition of anti-dumping duty. The domestic industry is unable to even maintain its market share despite imposition of anti-dumping duty.
- xxix. Imports consigned from Thailand are significantly undercutting the prices of the domestic industry in the market.
- xxx. Due to circumvention of CSM from Thailand, the remedial effect of the anti-dumping duty imposed on glass fibre against China PR is undermined.
- xxxi. Petitioner has alleged circumvention of anti-dumping duty by one Chinese producer through Thailand. Chinese company has reduced its export of CSM to India and has increased its export of CSM to Thailand.
- xxxii. Since it is only one Chinese company who is resorting to circumvention, only their exports from China to India should be seen. Since the said information is either with the exporter or with the Designated Authority, the petitioner requests the Designated Authority to kindly consider the same and make a determination.
- xxxiii. Share of China in total imports have declined from 85% to 37% whereas the share of Thailand has increased from 3% to 49%. This clearly shows change in patter of trade and diversion of imports from China and Thailand.
- xxxiv. Scope of SSR and anti-circumvention investigations are completely different. The SSR concerned Chinese imports. The present investigations concern only Asia Composite's exports from Thailand.
- xxxv. The opposing interested parties is trying to mislead the Authority by equating "Material Injury" and "remedial effect of anti-dumping duty is undermined". The other interested parties want to imply that the present POI fixed by Authority has no relevance and the POI for SSR still holds field, despite there is increase in imports from Thailand.
- xxxvi. It is not required to give full injury information otherwise the framers of the law would have written the word material injury. The lawmakers have used the words undermining the remedial effect of AD duty.
- xxxvii. A careful reading of the law will show that wherever the Designated Authority wished to examine injury, it has specifically mentioned that. In NSR or circumvention law there is no reference of Rule 11 i.e. determination of injury.
- xxxviii. Imports of CSM from Thailand has steeply increased after the period of investigation of the sunset review investigation. The imports have increased 260% more in POI of the present case since the previous period of investigation.

D.3 Examination by Authority

23. The Authority has noted the aforesaid submissions and alleged circumvention activity under relevant Act/Rules i.e. Section 9A(1) of the Customs Tariff Act, 1975 and Rule 25 of the AD Rules which state as follows:

Section 9A(1A) of the Customs Tariff Act where the Central Government, on such inquiry as it may consider necessary, is of the opinion that circumvention of anti-dumping duty imposed under sub-section (1) has taken place, either by altering the description or name or composition of the article subject to such antidumping duty or by import of such article in an unassembled or disassembled form or by changing the country of its origin or export or in any other manner, whereby the anti-dumping duty so imposed is rendered ineffective, it may extend the anti-dumping duty to such article or an article originating in or exported from such country, as the case may be."

24. Rule 25 of AD Rules regarding “Circumvention of anti-dumping duty” reads:

(1) Where an article subject to anti-dumping duty is imported into India from any country including the country of origin or country of export notified for the purposes of levy of anti-dumping duty, in an unassembled, unfinished or incomplete form and is assembled, finished or completed in India or in such country, such assembly, finishing or completion shall be considered to circumvent the antidumping duty in force if, -

(a) the operation started or increased after, or just prior to, the anti-dumping investigations and the parts and components are imported from the country of origin or country of export notified for purposes of levy of antidumping duty;

and

(b) the value consequent to assembly, finishing or completion operation is less than thirty-five percent of the cost of assembled, finished or complete article.

Explanation I. - ‘Value’ means the cost of assembled, complete or finished article less value of imported parts or components

Explanation II. - For the purposes of calculating the ‘value’, expenses on account of payments relating to intellectual property rights, royalty, technical know-how fees and consultancy charges, shall not be taken into account

(2) Where an article subject to anti-dumping duty is imported into India from country of origin or country of export notified for the levy of anti-dumping duty after being subjected to any process involving alteration of the description, name or composition of an article, such alteration shall be considered to circumvent the anti-dumping duty in force if the alteration of the description or name or composition of the article subject to anti-dumping duty results in the article being altered in form or appearance even in minor forms regardless of the variation of tariff classification, if any.

(3) Where an article subject to anti-dumping duty is imported into India through exporters or producers or country not subject to anti-dumping duty, such exports shall be considered to circumvent the anti-dumping duty in force if the exporters or producers notified for the levy of anti-dumping duty change their trade practice, pattern of trade or channels of sales of the article in order to have their products exported to India through exporters or producers or country not subject to anti-dumping duty.

Explanation. - For the purposes of this sub-rule, it shall be established that there has been a change in trade practice, pattern of trade or channels of sales if the following conditions are satisfied, namely: -

(a) absence of a justification, economic or otherwise, other than imposition of anti-dumping duty;

(b) evidence that the remedial effects of the anti-dumping duties are undermined in terms of the price and or the quality of like products.

25. It was contended by the petitioner that the Sichuan Weibo New Material Group Co., Ltd (China) is attracting residual duty and has established a production facility in Thailand in the name of Asia Composite Materials (Thailand) Co, Thailand for processing AR to make CSM and exporting CSM to India to circumvent the ADD. Further, volume of exports of glass fibre from China to Thailand has increased in recent period.

26. The Authority after due verification in the premises of both domestic industry and Asia Composite Materials (Thailand) Co, Thailand notes as follows:

D.4 Ownership

27. Asia Composite Materials (Thailand) Co., Ltd or ACM is a step down subsidiary of Sichuan Weibo New Material Group Co., Ltd (China) through one of its subsidiaries, Chengdu Sincerity Huatian Composite Materials Co Ltd., China PR. The information provided by ACM shows following are the shareholders of ACM, Thailand

Sl. No	Company	No of Share
4.	Chengdu Sincerity Huatian Composite Materials Co Ltd., China PR	***

5.	Sichuan Sincere & Long-term Complex Material Co Ltd, China PR	***
6.	Chengdu Ju Teng Materials Co. Ltd., China PR	***

28. All the shares of ACM are held only by these three Chinese companies. Sichuan Sincere & Long-term Complex Material Co Ltd, China PR is a subsidiary company of Chengdu Sincerity Huatian Composite Materials Co Ltd., China PR. Chengdu Sincerity Huatian Composite Materials Co Ltd., China PR is a subsidiary company of Sichuan Weibo New Material Group Co., Ltd. Sichuan Sincere & Long-term Complex Material Co Ltd, is the manufacturer of the subject goods in China. Thus, both the Thai and Chinese producers are subsidiaries of Sichuan Weibo New Material Group Co., Ltd (China).

29. The Authority also notes that Sichuan Weibo New Material Group Co., Ltd (China) did not cooperate with the Designated Authority either at the time of original investigations or at the time midterm review and sunset review and therefore is currently attracting residual duty @ 47.15% on its exports of product under consideration into India.

D.5 Business Activities of Asia Composite Material (ACM)

30. The Authority notes that the company is located in the Rayong Province of Thailand, near Amata City. The plant is located in an industrial zone that has been developed by the Chinese and houses mainly Chinese companies. The company gets several investments related benefits for investing in this area, which include *inter alia* low cost of land; zero import duty benefit for both capital goods and raw materials; full dividend repatriation; no restrictions on recruitment of the required manpower; etc.

31. In terms of plant and machinery, the company has established three lines for the production of CSM from AR. The manufacturing process constitutes chopping of AR and spreading of the same evenly on the moving conveyor. The binder either as powder or as emulsion (depending on the order received) is spread on the chopped strands and then the same is baked. The resultant mats are rolled, packed and exported.

32. The Authority further notes that the company is producing glass fibre CSM while importing AR from China PR. The company has imported around 90% of roving from its affiliate company in China and balance from other manufacturers in China. Binder required for production of CSM is either imported from Japan or locally purchased.

D.6 Production Facility of Asia Composite Material (Thailand) Co. Ltd (ACM)

33. During verification, it was noted that ACM does not have a plant for production of AR or DR or CS in Thailand. ACM claimed that they are now in the process of backward integration and are setting up their own furnace. At the time of on the spot investigations at the premises of ACM, the ACM informed that the company has already started work for setting up this plant and the same is expected to be completed by March 2019. ACM hopes to commence commercial production of AR, DR and CS in Thailand immediately thereafter. Till then, ACM intends to import AR from China, produce CSM in Thailand and export to various countries. On the spot verification at the premises of the petitioner also showed significant investment required for setting up glass fibre plant as compared to production facilities required only for production of CSM.

34. For the present, the manufacturing setup at Thailand appeared to be a continuation of its production line, whereby AR manufactured in China was simply sent to its own affiliate company in Thailand for the final conversion into CSM. It is underlined that the activity being undertaken in Thailand is nothing but an extension of production facilities in Thailand. Further, there is no disputing the fact that the AR produced in China and exported to Thailand for conversion into CSM and exports to India would have been subjected to ADD, had it been supplied to India as AR or CSM, directly.

35. The Authority, based on the information submitted by the ACM, observes that 93% of CSM is being exported and only 7% of CSM is being sold domestically. ACM is exporting most of the product under investigation. Further it is noted that there is only one domestic company, a trader, that is buying the CSM. It was not confirmed that this company is not exporting the product but selling it further to the domestic users in Thailand. This clearly shows that ACM is an export oriented unit.

D.7 Form of Circumvention

36. The Authority notes that in the present case:

- a. The Thai company, ACM, is a step down subsidiary of Sichuan Weibo New Material Group Co. China PR;

- b. The Chinese principal is also a producer which is attracting anti-dumping duty in India;
- c. CSM being exported from Thailand to India is being produced by importing AR from its affiliated group company in China PR into Thailand.
- d. Both AR and CSM when exported directly from China PR are subject to the same level of anti-dumping duty in India.
- e. The investment in Thailand is very small when compared to the level of investment required in a glass fibre plant.

37. The Authority notes that a product that faces anti-dumping duty when exported to India directly from China PR, is being routed through another country, namely Thailand, exports from where does not face any anti-dumping duty, albeit in a changed form. It is also material to note that the product imported into Thailand from China PR is AR and its form does undergo a change through a manufacturing process. However, the changed form, i.e., CSM which is actually exported from Thailand, also faces anti-dumping duty in India when imported from China. The Indian Customs Notification levying the anti-dumping is the same and considers both AR and CSM to be different forms of glass fibre and levies the exactly same level of anti-dumping duty on both forms. Thus, the Authority is of the view that the form of circumvention described in Rule 25(3) of the AD Rules as given below, largely fits this case, subject to the case parameters meeting the additional requirements of this Rule, as they exist.

“25 (3) Where an article subject to anti-dumping duty is imported into India through exporters or producers or country not subject to anti-dumping duty, such exports shall be considered to circumvent the anti-dumping duty in force if the exporters or producers notified for the levy of anti-dumping duty change their trade practice, pattern of trade or channels of sales of the article in order to have their products exported to India through exporters or producers or country not subject to anti-dumping duty.

Explanation. - For the purposes of this sub-rule, it shall be established that there has been a change in trade practice, pattern of trade or channels of sales if the following conditions are satisfied, namely: -

- (a) absence of a justification, economic or otherwise, other than imposition of anti-dumping duty;*
- (b) evidence that the remedial effects of the anti-dumping duties are undermined in terms of the price and or the quality of like products.”*

E. Change in Pattern of Trade and Dumping Margin

E.1 Change in Pattern of Trade

38. The Authority under Rule 25, examined whether there is change in pattern of trade and whether this change has stemmed from a practice, process or work for which there was insufficient due cause or economic justification other than the imposition of duty. Following table depicts the trade pattern.

Particulars	2013-14	2014-15	2015 - 16	2016-17
Imports of AR into Thailand from related company				
Roving – Weibo	***	***	***	***
Exports of CSM from Thailand				
to India	162	2,182	5,775	6,854

39. The Authority notes that volume of imports of roving into Thailand has increased after imposition of anti-dumping duty and simultaneously volume of exports of CSM from Thailand has increased. Further, the exports of CSM by ACM to India have increased while exports to third country and domestic sales have declined.

Particulars	2015	2016	POI
Export to India	***	***	***
Sales in the Domestic Market	***	***	***
Export to Other Countries	***	***	***
Total Sales of the Company	***	***	***
% of exports to India	***	***	***

40. It is seen that the majority of the exports of ACM is to India and the share of its sales to India is increasing on year on year basis.

41. The Authority also examined market share of China and Thailand in imports of CSM into India. With the imposition of anti-dumping duty, the market share of China has declined whereas that of Thailand has increased as is shown in the table below.

Market Share in imports of CSM				
	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17
China	85%	51%	34%	37%
Thailand	3%	24%	41%	49%
Other countries	12%	26%	25%	14%

42. Regarding the overall conclusion on change in pattern of trade, the Authority has noted the steady decline in the market share of China PR for the product under investigation in India with the simultaneous increase in the market share of Thailand into India. This when seen in context of the increase of exports of AR from China PR to Thailand, following the imposition of anti-dumping duty in India, the inevitable conclusion is that there is a very clear and distinct change in the pattern of trade amongst the three countries.

E.2 Dumping Margin

E.2.1 Normal value of ACM

43. The Authority noted that the ACM does not have SAP based real time accounting system to enable accurate determination of cost of production. The accounting data/ transactions are manually compiled using commonly available accounting/ data software. The company is located in the Rayong Province of Thailand, near Amata City. The plant is in an industrial zone that has been developed by the Chinese and houses mainly Chinese companies. The Govt. of Thailand provides several investments related benefits to ACM for investing in Thailand, this *inter alia* includes income tax and import duty exemption/ benefits; dividend repatriation; land ownership rights; and freedom to recruit foreigners.

44. Based on the cost data submitted by the exporter and as verified by the Authority, the normal value has been calculated in the instant case by taking into account the fair market price of AR as obtained from the exporters records and allowing other costs of ACM as claimed and verified. On the cost of sales so arrived at, the average profit margin has been considered. Normal value for CSM has been determined accordingly and worked out as US \$ *** /Kg by the Authority.

E.2.2 Export Price

45. ACM has filed the questionnaire response, which shows that they have exported 7434 MT CSM. The company has reported price adjustment on account of freight and insurance and the same have been considered, after due verification in order to arrive at ex-factory export price. Accordingly, the weighted average export price has been determined as shown in dumping table.

E.2.3 Dumping margin

46. Based on the normal value calculated, the dumping margin established (see table below) is above the *de minimis level* laid down in the AD rules.

Particulars	UOM	
Normal Value	\$/KG	***
Export price	\$/KG	***
Dumping Margin	\$/KG	***
Dumping Margin	%	***
Range	%	0 - 10

F. Undermining Remedial Effect of ADD Existing on PUC by Circumvention

F.1 Justification Economic or Otherwise Other than Imposition of Anti-Dumping Duty.

47. The Authority notes that certain commercial and economic advantages have accrued to ACM due to the investment related benefits offered by the Govt. of Thailand. However, ACM could not quantify the actual benefits received despite being asked to do so by the Authority. Further, the Authority notes that exports of the product under investigation from China PR to India faces an applied duty rate of around 55%, which is not imposed when imported from Thailand. This in effect is a strong incentive to route the exports through Thailand

48. The Authority has also taken on record the evidence provided by the petitioner of a screen shot the website of the Thai company, which stated as follows:

“We can provide a good service to our domestic customers in Thailand and also serve our customers all over the world, particularly the areas where there need to add anti-dumping tax for CSM made in China.”

49. While the above statement has since been removed from the website, ACM during the course of investigation never refuted the above statement as evidence provided by petitioner.

50. The Authority, therefore, concludes that the anti-dumping duty in India, is the primary reason for the exporter from China PR routing the exports of CSM via Thailand.

F.2 Undermining Remedial Effect

51. The Authority has considered export data of ACM, Thailand for exports of CSM to India and compared the same with the selling price of the domestic industry. Summarized table is as follows. It is seen that the extent of price undercutting is quite significant.

Particulars	UOM	CSM
Import Volume	MT	6,854
CIF Value	Rs/KG	99.36
Landed Price	Rs/KG	99.36
NSR of domestic industry	Rs/KG	***
Price Undercutting	Rs/KG	***
Price Undercutting	%	***
Range	%	20 - 30

52. The Authority also examined whether the imports of CSM have increased in significant volume, both in absolute terms and in relation to production and consumption of CSM in India. It is seen that the volume of CSM from Thailand increased significantly in absolute terms and in relation to total imports in India. It is also seen that whereas imports from China have remained in similar region in absolute terms, volume of imports from related entity of ACM have declined

Particulars	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17
Volume of imports of CSM (MT)				
China total	5,093	4,676	4,837	5,226
Thailand	162	2,182	5,775	6,854
Other Countries	740	2,385	3,500	1,911
Total Imports	5,996	9,243	14,112	13,991
Market Share in Import of CSM				
China	85%	51%	34%	37%
Thailand	3%	24%	41%	49%
Other countries	12%	26%	25%	14%

53. The exporter has claimed based on import data that:

- The export price of Asia composite Materials (Thailand) Co., Ltd to India were at a price higher than the landed price of imports of subject goods from China PR after imposition of anti-dumping duty.
- The landed price from China PR with anti-dumping duty is effectively the price which is non injurious to the domestic industry. Imports from ACM at a price significantly higher than such price from China PR

ought not to have caused any injury to the domestic industry or not have compromised the remedial effects AD duty put in place against China PR.

- iii. Petitioners are a big importer of the subject goods from China PR and therefore their claims to be a domestic industry need to be subjected to scrutiny – no evidence on this claim has been submitted.

54. In response, the domestic industry has contended that:

- i. With regard to the landed price of imports from China being lower than the landed price of imports from Thailand, the respondents have considered landed price of all types of glass fibre imports from China, not just CSM. Further transaction wise details of these imports as per DGCI&S would show from product description that there are significant imports are of B and C grade products. The landed price of imports from Thailand is materially below the landed price of imports from China as far as A grade material is concerned.
- ii. Even when petitioner has been selling category B and C product in the market, the selling price (of the petitioner) is not as low as being reported in these transactions. This clearly appears a case of avoidance/under-invoicing of various duties.
- iii. The market share of China in total imports has declined from 85% to 37% whereas that of Thailand has increased from mere 3% to 49%. The question therefore is as to how the exporter is able to sell its products to India and increase its market share so significantly if the prices of Thailand are far higher than China, as claimed by the respondent.

55. The Authority has examined the import data and notes, based on the product description that there is a variation in the grade of the CSM imported from China and Thailand respectively. The import data shows:

Grade	China PR			Thailand		
	Value (Rs.)	Qty. (Kg.)	Rate (Rs./Kg)	Value (Rs.)	Qty. (Kg.)	Rate (Rs./Kg)
CSM A Grade	8,22,82,100	8,37,283	98	61,58,57,226	60,73,793	101
CSM Other Grades	12,41,88,775	42,07,010	30	6,37,42,776	7,56,076	82
Total	20,64,70,875	50,44,293	41	67,96,00,002	68,29,869	100

56. It is noted that the 83% of the import from China PR, is of CSM of several inferior grades, thereby affecting the landed value as a whole.

57. One important determinant about undermining of the remedial measures is examination of the market shares of the domestic industry *vis-à-vis* imports. One of the intentions of the anti-dumping duty is to prevent any undue deterioration of the domestic market share of the petitioner. Regarding market shares, the Authority has examined the trends in market share in demand of CSM in India, in the table below:

Particulars	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17
Volume of Imports of CSM (MT)				
China	5,093	4,676	4,837	5,226
Thailand	162	2,182	5,775	6,854
Other Countries	740	2,385	3,500	1,911
Domestic Industry Sales	***	***	***	***
Other Indian Producers Sales	2,283	2,423	2,145	2,145
Total Demand	***	***	***	***
Market Share in Demand of CSM				
China	***	***	***	***
Thailand	***	***	***	***
Other Countries	***	***	***	***
Domestic Industry	***	***	***	***
Other Indian Producers	***	***	***	***

58. It is seen from the above tables that while on one hand there is significant price undercutting adversely affecting the domestic industry, while on the other the market shares of both the domestic industry and of exports directly from China PR have both declined whereas that of Thailand has increased. Cumulatively the market shares of China PR and of the exports of CSM from Thailand have increased. It is therefore concluded that the remedial effects of the measures in force are being undermined in terms of both quantity and price.

G. Post Disclosure Comments

G.1 Views of the Domestic Industry

59. Post disclosure submissions made by the domestic industry are as follows

- a. Non confidential version of exporter's response to the supplemental questionnaire, was not put in the public file which is a violation of 6(7) of the AD Rules and trade notice no 01/2012 dated 9th January 2012.
- b. Request for non-confidential version of verification report issued to the exporter, non-confidential version of communication exchanged with the exporter and information filed by the officer.
- c. The present case does not fall under Rule 25 (1) but Rule 25 (3). The Authority also found that the product under consideration is being exported through Thailand and circumvention practice is being adopted by the exporter.
- d. For falling this case under Rule 25 (1) the law requires that the product under consideration being imported in India in unassembled form or is being finished in India and such unassembled and unfinished form is not subject to anti-dumping duty.
- e. CSM is not an unassembled, unfinished or incomplete form of Glass fiber but it itself is product under consideration. The product under consideration AR is being imported into Thailand and product under consideration in the form of CSM is being exported from Thailand. AR is not an unassembled, unfinished or incomplete form of PUC, but it itself product under consideration.
- f. The law under Rule 25 (1) also requires that the unassembled, unfinished goods, which is being circumvented should not be part of anti-dumping duty, so the duty is extended to such unassembled, unfinished goods. There is difference in product under consideration and product under investigation-product under consideration is the product attracting anti-dumping duty and the product under investigation is the product not attracting duty at present and duty needs to be extended on the same.
- g. If a product under consideration itself is exported through third country (as the case in present investigation), with or without changing its PCN form, it cannot fall under Rule 25(1) of the AD Rules. AR and CSM are merely different forms of PUC (different PCNs) and not different articles. For 25(1) circumvention, it should be different articles and not different PCN/Forms of the PUC.
- h. In several cases by Indian Authorities and other Authorities, circumvention duty under 25 (1) was extended to product under investigation which was different from the product under consideration.
- i. Under Rule 25 (3) it is required to be established that the product under consideration is imported into India through exporters or producers or country not subject to anti-dumping duty. The import of the product from such country constitutes PUC and imports into such country also constitute PUC. It is immaterial whether the exporter in subject country is related or unrelated to the producers/exporters attracting ADD.
- j. CSM which is a product under consideration is imported into India from Thailand. Rule 25(3) also covers situation wherein some of the operation are carried out in the third country and ultimately it is the product under consideration only which is being imported into India from such third country. In such a situation, the requirement of value addition does not arise. Also in such a situation, the product may or may not be declared as originating from third country. Reference is placed on EU circumvention investigation on hand pallet trucks and their essential parts.
- k. The imports from China occurred due to grossly undervalued imports in the name of B & C grades, which led to making ADD redundant.
- l. There is a difference in transshipment and circumvention practice under Rules 25(3). The cases of transshipments, where the origin of products does not undergo a change is already covered under the duty table as country of origin and country of exports. However, Rule 25(3) takes into account a situation where a product undergoes some processing, and the country of origin changes. Reliance is placed on EU findings on third form of circumvention, which clearly refers to "whether declared as originating from third country or not".
- m. In ad valorem form of duty the exporters take advantage of duty by practicing undervaluation and avoid duties, which is happening in present case also. The petitioner has taken separate action for that. In order to avoid the attention of customs authorities, the importers are reporting description as B/C grade.

- n. Though Indian Customs shows much lower prices of CSM, the FOB price reported in China customs is SIGNIFICANTLY higher than CIF import price reported in India. This clearly establishes that the prices reported in Indian customs are grossly under-invoiced and therefore cannot be relied upon
- o. In both the original as well as sunset review investigations, the exporters from China responded to the Designated Authority and were awarded individual margins and anti-dumping duties based on their questionnaire response. The dumping margin & injury margin in respect of cooperating exporters was based on their questionnaire response. One of the exporters did argue on off grade; however, it stated that the quantity of waste exported to India was less than 2% of the total exports made by the exporters. Therefore, it cannot be said that sunset review duties were levied on B/C grade imports.
- p. Justification, economic of otherwise has to be a new significant factor, other than the anti-dumping measure arising at the time when substitution took place.
- q. The Sino-Thai Rayong Industrial park was set up in 2006 itself and it is difficult to understand why the petition only in 2012, after imposition of duties, thought of setting a plant of CSM in Thailand to avail benefits of the industrial park.
- r. The benefits being availed by the Thai company has been quantified by the petitioner. The benefits being availed are not substantial in nature and it is only 3-4% in total. A producer in China will never let go 10% of subsidies available to them in China and make investments in Thailand only for 3-4% of subsidies, if not to avoid payment of 47% of anti-dumping duty
- s. The Thai company has also accepted publicly on their website that “We can provide a good service to our domestic customers in Thailand and also serve our customers all over the world, particularly the areas where there need to add Anti-dumping tax for CSM made in China”, which was removed later on.
- t. EU has held all the subsidies available in China for glass fibre manufacturer countervailable and 10.3% subsidy margin was calculated by the EU authorities.
- u. Looking at such benefits available in China itself it is difficult to believe that any company from China would move out of China for economic benefits.
- v. Had there been an economic justification to set up a plant in Thailand, then other producers also could have set up a plant in Thailand. However, it is only Weibo, who was attracting 47% of the anti-dumping duty has set up a plant in Thailand to avoid payment of such duties.
- w. ACM manufactures both Chopped Strand Mats and Glass Woven Rovings. Glass Woven rovings is nothing but bi-directional fabric made by interweaving direct roving. It can also be called as mesh fabric. EU has conducted anti-circumvention investigation against imports of mesh fabrics from Thailand and extended anti-dumping duty of glass fibres from China to Mesh Fabric from Thailand.
- x. EU has stated with regard to justification, economic or otherwise apart from imposition of anti-dumping duty that there no economic justification for the transshipment other than avoidance of the measures in force on product concerned.
- y. The exports from Thailand to EU constitute only 0.41% of the total demand in EU. Therefore, the exports from Thailand are not material enough to undermine the remedial effect of anti-dumping duty/anti subsidy duties.
- z. As per the EU findings 24 April 2017, the share of other countries (apart from China, Malaysia, Egypt, Norway and Turkey) constitutes only 8% of the demand in EU. This share of 8% includes Thailand and rest of the world. Such low exports cannot be considered material enough to undermine the remedial effects of anti-dumping duty/anti subsidy duties.
- aa. Price at which ACM has purchased AR cannot be accepted for the purpose of determination of cost of production of ACM for the reasons (i) the said AR price has already been considered as dumped & injuries and these imports are being subjected to ADD @ 47%, (ii) the Designated Authority cannot on one hand considering the price as inappropriate and on other hand adopt the same, (c) AR purchase price from a non-market economy cannot be considered in terms of Designated Authority’ and CESTAT’s past decision, (d) Designated Authority on a case by case basis cannot be make different determination on the same issue. The AR consumption price reported by ACM does not reasonably reflect the cost associated with production and sale of the product under consideration.
- bb. Exports from Thailand to EU are not material enough to undermine the remedial effect of anti-dumping duty/anti subsidy duties
- cc. ACM has intentionally bought mere 10% from unaffiliated companies in order to influence the outcome of the anti-circumvention investigation, as this investigation was pending since last two years. It is very

unlikely that when 4 related companies are making AR in China, ACM is purchasing AR from unrelated company

- dd. Due to circumvention of CSM from Thailand, the remedial effect of the anti-dumping duty imposed on glass fibre against China PR is undermined.
- ee. The petitioner has imported the product under consideration from third country at a fair price and not from the subject country at a dumped price. The imports of the petitioner need to be seen in relation to alleged imports not imports from the third country. BIRLA ERICSSON LTD. Versus DESIGNATED AUTHORITY, 2001 (127) E.L.T. 363 (Tri. - Del.), referred.
- ff. EU has conducted several investigations by now and the general practice is to examine parameter like price underselling, market share in demand and market share in imports for analyzing undermining the remedial effect.
- gg. In past the Designated Authority has also considered only parameters of market share and price undercutting.
- hh. The petitioner in the present case has provided information with regard to market share in total imports, market share in total demand and price undercutting, which is consistent with the practice being followed by the Designated Authorities and other authorities.

G.2 Views of ACM

60. Post disclosure submissions made by ACM are as follows

- a. The disclosure statement fails to provide any quantification and data on the Value addition aspect. Value addition by the exporter has to be below 35% for circumvention of dumping duty to take place and the lack of mentioning of such data impacts the rights of exporter to comment. Rule 25 1 (b)
- b. Evidence that the remedial effects of the anti-dumping duties are undermined need to be established first for any further investigation on change in pattern of trade or justification is to be conducted. Indolinone circumvention final finding stated that examination has to be as per Rule 11 and Annexure 2 by evaluating price and volume effect.
- c. Only factors like production, sales, capacity, capacity utilization, exports, inventory level and price undercutting and under selling levels were examined, which are grossly insufficient to establish undermining of remedial effects of the dumping duty. Imports of CSM from China have increased showing that increasing imports from Thailand has no nexus to the trade pattern of CSM from China to India. A thorough examination of all the price and volume effects needs to be done to establish undermining of remedial effects of the dumping duty.
- d. Confidential information such as normal value, landed price, exports etc of the exporter are mentioned in the disclosure statement, despite the confidentiality claim as per the rule. Requested that such information be treated as confidential in the Final finding.
- e. Overall perusal of Disclosure statement brings nothing on record to establish any circumvention as alleged.

G.3 Examination of the Authority

61. The post disclosure submissions have been received from the interested parties. The issues raised therein have already been raised earlier during the investigation and also addressed appropriately. However, for the sake of clarity the submissions by the interested parties are being examined as below

- a. As regards submission on value addition, the Authority reiterates that the changed form, i.e., CSM which is actually exported from Thailand, also faces anti-dumping duty in India when imported from China. The Indian Customs Notification levying the anti-dumping is the same and considers both AR and CSM to be different forms of glass fibre and levies the exactly same level of anti-dumping duty on both forms. Thus, the Authority is of the view that the form of circumvention described in Rule 25(3) of the AD Rules as given below, largely fits this case, and therefore there is no requirement of value addition under said Rule.
- b. As regards submissions on determination of “undermining remedial effect” the Authority notes that under Rule 26(4), the Authority is only required to determine whether the remedial effect of anti-dumping duty is being undermined. The intention is not to conduct a detailed material injury analysis. This view is strengthened by the past decision of the Authority in the matter of Anti-Circumvention investigation concerning import of Cold Rolled Flat Products of Stainless Steel originating in or Exported from China PR, Korea, European Union, South Africa, Taiwan, Thailand and USA. Relevant extracts are as follows:

“..., the primary objective of this investigation is to ensure that the interested parties are not negating or diluting the effect of the anti-dumping duties imposed by the Central Government by indulging in any kind of circumvention practice. Further the Rules relating to circumvention do not have explicit provisions of either Rule 11 or Annexure II for anti-circumvention investigations.”

Conclusion

62. Having examined the contentions of the Domestic Industry and various interested parties and on the basis of the analysis as above, the Authority concludes that

- a. The anti-dumping duty imposed on imports of Glass Fibre, originating and exported from China PR vide Customs Notification No. 48/2016-Customs dated 1st September, 2016 was circumvented through exports of CSM from M/s Asia Composite Materials (Thailand) Co., Ltd, Thailand pursuant to Rule 25 (3) of the AD Rules.
- b. CSM has been exported at dumped prices during the POI.
- c. CSM exports from Thailand has undermined the existing AD measure on Glass Fibre”, originating and exported from China PR vide Customs Notification No. 48/2016-Customs dated 1st September, 2016

H. Recommendation

63. The Authority keeping in view the aforesaid, recommends extension of the existing Anti-Dumping Duty on Glass Fibre”, originating and exported from China PR vide Customs Notification No. 48/2016-Customs dated 1st September, 2016 on Chopped Strands Mats of Glass Fibre at an amount arrived at by applying the percentage indicated in Col 9 of the duty table mentioned below.

- a. The AD Duty will be applicable from the date of its Notification by the Ministry of Finance.
- b. The validity of AD Duty would be co-terminus with the duty on Glass Fibre levied through Custom Notification No. 48/2016-Customs dated 1st September, 2016

Duty Table

Sl. No	Heading	Description of goods	Specification	Country of Origin	Country of Exports	Producer	Exporter	% of CIF Value
1	2	3	4	5	6	7	8	9
8	7019	Glass Chopped Strands Mats (CSM)	Glass Chopped Strands Mats (CSM)	Thailand	Thailand	Asia Composite Materials (Thailand) Co., Ltd	Asia Composite Materials (Thailand) Co., Ltd	47.15
9.	7019	Glass Chopped Strands Mats (CSM)	Glass Chopped Strands Mats (CSM)	Thailand	Thailand	Asia Composite Materials (Thailand) Co., Ltd	Any	47.15

64. Landed value of imports for the purpose of this Notification shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and includes all duties of customs except duties under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the said Act.

65. An appeal against the order of the Central Government arising out of this final finding shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act

SUNIL KUMAR, Addl. Secy. & Designated Authority